घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 92- रविवार 01- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 4 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

दिल्ली में फिर बढ़ा प्रदूषण एक्यूआई 315 दजे किया गया

नई दिल्ली,31 जनवरी 2026 । पिछले कुछ दिनों से वर्षा होने के कारण दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्रों में धुंध साफ होने से यहां के लोगों ने राहत की सांस ली थी लेकिन अब दिल्ली समेत अन्य क्षेत्रों में धुंध की मोटी परत छाने से प्रदूषण फिर से बढ़ गया है। शनिवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 315 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में माना जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण ब्यूरो (सीपीसीबी) के मुताबिक, दिल्ली का एक्यूआई 315, नोएडा 324, ग्रेटर नोएडा 328, गाजियाबाद 313 और गुरुग्राम का 300 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब स्थिति को दर्शाता है। राजधानी के कुछ शहरों में आज 03 बजे तक वजीरपुर का एक्यूआई 365,आनंद बिहार का एक्यूआई 351, सिरीफोर्ट का 356,आईटीओ का 313 और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम का 347, चांदनी चौक का 305 रहा, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में माना जाता है। इसके अलावा बुरारी क्रॉसिंग का 296, आईआईटी,दिल्ली 283,नजफगढ़ का 274, आईजीआई हवाई अड्डे का 267 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से बादल छाए रहे और हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा तक जारी रहीं। यहां का अधिकतम तापमान 21-23 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। इसके अलावा 1 फरवरी को बादल छाए रहने और सुबह हल्के से मध्यम कोहरा रहने के आसार हैं। इस दिन भी हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा, अधिकतम तापमान 17-19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10-12 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है।

उप्र के आगरा में कंटेनर ने दो ऑटो को मारी टक्कर,पांच लोगों की मौत

आगरा,31 जनवरी 2026। उत्तर प्रदेश के आगरा में शनिवार को एक कंटेनर ने दो ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं। पुलिस अधीक्षक देवेश सिंह ने बताया कि खंदौली थाना क्षेत्र स्थित खंदोली-जलेसर मार्ग पर दोनों ऑटो एक ही दिशा में आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर ने ओवेरटेक करने के चक्कर में पहले एक ऑटो को जोरदार टक्कर मारी। फिर नियंत्रण खोते हुए कंटनेर ने दूसरे ऑटो को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में ऑटो में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं। उन्होंने बताया कि सभी लोग एक ही गांव के हैं जो जगन्नाथ पुरी (ओडिशा) यात्रा से वापस आ रहे थे। मृतकों में हाथरस जिले के ग्राम सहपऊ निवासी बीजो, लख्मीचंद, रणवीर सिंह, बिल्ला मिस्त्री और शाहिद के नाम शामिल हैं। सहपऊ के धनपाल, विजय सिंह और उदय सिंह घायल हैं। इनमें धनपाल का इलाज एसएन मेडिकल कॉलेज में जबकि, विजय और उदय अम्बे अस्पताल में इलाजरत हैं।

महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बनीं सुनेत्रा पवार

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शपथ दिलाई,शरद पवार नहीं पहुंचे

मुंबई,31 जनवरी 2026। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे। इससे पहले दिन में एनसीपी विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी। जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी सीएम की शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। अजित पवार की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी सीएम पद खाली हो गया था।

पीएम मोदी ने सुनेत्रा पवार को डिप्टी सीएम बनने पर बधाई दी...

पीएम ने एक्स पर लिखा, सुनेत्रा पवार जी को महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू करने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। वह इस जिम्मेदारी को संभालने वाली पहली महिला हैं। मुझे विश्वास है कि वह राज्य के लोगों की भलाई के लिए काम करेंगी और स्वर्गीय अजित दादा के विजन को पूरा करेंगी।

सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाने का फैसला राकांपा एपी का है : भाजपा

भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता नवनाथ बन ने शनिवार को मुंबई में कहा कि अजीत पवार की जगह उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने का फैसला उनकी पार्टी का है। राकांपा महायुति में शामिल है, इसलिए भाजपा सिर्फ उनके फैसले का समर्थन कर रही है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बन ने कहा कि सत्ता में बैठे व्यक्ति की मौत के बाद, उस पद पर अगली नियुक्ति क्रम में होती है। इससे पहले स्वर्गीय इंदिरा गांधी, जयललिता और मनोहर परिकर की मौत के तुरंत बाद उनके उत्तराधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह जल्दबाजी में हुआ था। मुश्किल हालात में पार्टी के हित में फैसले लेने पड़ते हैं।

सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया : शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को बारामती में कहा कि सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया है। यह फैसला राकांपा एपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने लिया है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। शरद पवार ने पत्रकारों को बताया कि इस संदर्भ में वह कोई व्यक्तव्य नहीं देंगे, इसका कारण यह उनकी पार्टी का विषय है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अजीत पवार बहुत ही बहुत कर्मठ और कुशल नेता थे। सुबह छह बजे से ही अजीत काम करना शुरु कर देते थे। इस जिम्मेदारी को परिवार में हर किसी को मिल कर निभानी होगी। शरद पवार ने यह भी कहा कि दोनों राकांपा के विलय को लेकर पिछले चार महीनों से बातचीत चल रही थी।

वित्त मंत्री सीतारमण आज 9वीं बार पेश करेंगी बजट

नई दिल्ली,31 जनवरी 2026। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज लगातार 9वीं बार केंद्रीय बजट पेश कर एक रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। इस बार सभी की निगाहें बहुप्रतीक्षित सीमा शुल्क सुधारों पर टिकी होंगी। सीतारमण ने 2019 में अपने पहले केंद्रीय बजट में दशकों से चले आ रहे चमड़े के ब्रीफकेस की जगह लाल कपड़े में लिपटे पारंपरिक 'बही-खाता' का अनुकरण किया था।

पिछले 4 वर्षों की तरह इस साल का बजट भी कागज रहित रूप में पेश किया जाएगा। सीतारमण ऐसे समय में बजट पेश करने जा रही हैं,जब भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगामी दो वर्षों में तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर बढ़ रहा है। वहीं, कई गंभीर आर्थिक चुनौतियां भी सरकार के सामने खड़ी हैं।

राजकोषीय घाटा : सरकार के कुल खर्च और आय के बीच का अंतर राजकोषीय घाटा कहलाता है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसके जीडीपी के 4.4 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया गया है। केंद्रीय बजट में 4.5 फीसदी से नीचे का लक्ष्य हासिल करने के बाद बाजार अब कर्ज जीडीपी अनुपात में कमी की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सटीक आंकड़ों का इंतजार कर रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि सरकार अगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चार फीसदी के राजकोषीय घाटे की घोषणा कर सकती है।

पूंजीगत व्यय : चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार का नियोजित पूंजीगत व्यय 11.2 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है। निजी क्षेत्र के निवेशकों की सावधानी को देखते हुए सरकार आगामी केंद्रीय बजट में बुनियादी ढांचे पर खर्च को बनाए रख सकती है और इसमें 10-15 फीसदी की वृद्धि कर सकती है। यह राशि 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है।

कर्ज की रूपरेखा : वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट भाषण में कहा था कि वित्त वर्ष 2026-27 से राजकोषीय नीति का प्रयास केंद्र सरकार के कर्ज को जीडीपी के फीसदी के रूप में कम करने का होगा। बाजार यह देखना चाहेगा कि सरकार कर्ज-जीडीपी अनुपात को कब तक 60 फीसदी के लक्ष्य तक लाने की बात कहती है। 2024 में यह अनुपात 85 फीसदी था, जिसमें केंद्र का हिस्सा 57 फीसदी था।

उधारी

वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार की सकल उधारी का केंद्रीय बजट 14.80 लाख करोड़ रुपये था। सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए बाजार से कर्ज लेती है। उधारी का आंकड़ा देश की आर्थिक सेहत और राजस्व संग्रह की स्थिति का संकेत देता है।

कर राजस्व

वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में सकल कर राजस्व का लक्ष्य 42.70 लाख करोड़ रुपये रखा गया था, जो पिछले वर्ष से 11 फीसदी अधिक है। इसमें 25.20 लाख करोड़ रुपये प्रत्यक्ष कर (आयकर और कॉरपोरेट कर) और 17.5 लाख करोड़ रुपये अप्रत्यक्ष कर (सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और जीएसटी) से आने का अनुमान है।

जीएसटी

वित्त वर्ष 2025-26 में जीएसटी राजस्व संग्रह 11 फीसदी बढ़कर 11.78 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। सितंबर 2025 से दरों में की गई कटौती के बाद राजस्व वृद्धि में तेजी आने की उम्मीद है।

राजस्थान के जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद सोनम वांगचुक को एम्स ले जाया गया...

जोधपुर,31 जनवरी 2026। हरियाणा के जोधपुर की सेंट्रल जेल में चार माह से अधिक समय से बंद लद्दाख के पर्यावरणविद सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह कड़ी सुरक्षा के साथ एम्स ले जाया गया। यहां उनकी स्वास्थ्य जांच की गई है। एम्स के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग ने वांगचुक का परीक्षण किया गया है। इसकी रिपोर्ट सोमवार को उच्चतम न्यायालय में पेश की जाएगी। हाल ही सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में उनके वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा था कि जेल के पानी से उन्हें पेट की गंभीर समस्या हो रही है। कोर्ट ने उनकी जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। सोनम की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सोशल मीडिया पर अगली सुनवाई दो फरवरी को होने की जानकारी साझा की थी। वांगचुक की लोकप्रियता और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एम्स परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आम मरीजों को असुविधा न हो और सुरक्षा में चूक न रहे, इसके लिए उन्हें सुबह जल्दी अस्पताल लाया गया। जेल प्रशासन अब उनकी मेडिकल रिपोर्ट सीधे सुप्रीम कोर्ट में पेश करेगा, जिसके आधार पर कोर्ट उनके इलाज या जेल की सुविधाओं पर आगे का फैसला सुना सकता है।

तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को दे रही संरक्षण,राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बंगाल में भाजपा सरकार जरूरी : शाह

कोलकाता,31 जनवरी 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। साथ ही भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दे दिया गया है। उन्होंने कहा कि चुनावी फायदे के लिए सीमा सुरक्षा से जुड़े कदमों को जानबूझकर रोका जा रहा है। शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में टीएमसी सरकार का जाना तय है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का गठन सिर्फ राज्य के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जिस तरह से घुसपैठ हो रही है, वह पूरे देश

के लिए सुरक्षा का बड़ा मुद्दा बन चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत के आदेश के बाद भी टीएमसी सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन नहीं दे रही है, क्योंकि घुसपैठिए उसका वोट बैंक हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य का प्रशासन और पुलिस अवैध प्रवासियों को रोक नहीं रही है। फर्जी दस्तावेज बनाकर इन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में भेजा जा रहा है। कोलकाता के आनंदपुर इलाके में मोमो फैक्ट्री में हाल में लगी आग का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि यह हादसा नहीं, बल्कि ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार का नतीजा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अबतक फैक्ट्री मालिकों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? क्या इसकी वजह सत्तारूढ़ दल से उनकी नजदीकी है? उन्होंने पूछा कि क्या बंगाल में प्रशासन पूरी तरह खत्म हो चुका है? अमित शाह ने टीएमसी पर मतुआ और नामशूद्र समुदाय को डराने का भी आरोप लगाया। उन्होंने इन समुदायों को भरोसा दिलाया कि उन्हें डरने की जरूरत नहीं है और कोई भी उनके वोट को नहीं छू सकता। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने ममता बनर्जी को चुनौती दी कि यदि वह गंभीर हैं, तो विधानसभा चुनाव में दागी मंत्रियों को टिकट न दें। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा को चुनाव में 50 प्रतिशत से अधिक वोट मिलेंगे।

भाजपा ने कूचबिहार पुल हादसे के लिए ममता सरकार को घेरा...

नई दिल्ली,31 जनवरी 2026। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में पुल गिरने समेत अन्य हादसों के लिए ममता सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा ने इन हादसों के लिए राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इसकी जांच एसआईटी से कराने की मांग की है। भाजपा प्रवक्ता डॉ. गुरुप्रकाश पासवान ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून का कोई शासन नहीं है और दिन-प्रतिदिन जो घटनाएं वहां घटित हो रही हैं, उससे ये बातें सिद्ध हो रही हैं। कूचबिहार के सितलकुची में बना यह पुल ममता शासन में पनपी 'कट मनी' संस्कृति का भयावह प्रतीक है। सार्वजनिक धन की लूट, घटिया निर्माण, शून्य जवाबदेही और आम आदमी को हर दिन अपनी जान जोखिम में डालने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह विकास नहीं है। यह भ्रष्टाचार से उपजा हुआ पतन है। आगामी चुनाव में पश्चिम बंगाल की जनता ममता सरकार को उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने कहा कि जनवरी 2026 में ही पश्चिम बंगाल में 5 फैक्ट्रियों में आग लगने की विभत्स घटनाएं सामने आई हैं, जहां काफी लोग हताहत हुए।

गगनयान कार्यक्रम को 2027 में शुरू करने की योजना : इसरो

नई दिल्ली,31 जनवरी 2026। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा है कि इसरो 2027 में निर्धारित अपने महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के पहले मानवरहित मिशन की दिशा में काम कर रहा है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है,इसपर वर्तमान में काम हो रहा है। इसका उद्देश्य तीन सदस्यीय दल को तीन दिवसीय अंतरिक्ष मिशन पर भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाना है। इसरो प्रमुख ने कहा, गगनयान कार्यक्रम को 2027 में शुरू करने की योजना है। इसके पहले तीन मानवरहित मिशन की योजना बनाई गई है। हम पहले मानवरहित मिशन की दिशा में काम कर रहे हैं। नारायणन ने कहा कि वर्तमान में वैज्ञानिक इस मिशन की सफलता के लिए कई परीक्षण करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, कई परीक्षण इस लेकर जारी हैं। आप जानते हैं कि गगनयात्रा की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें बहुत सावधानी बरतनी होगी। हमें हर प्रणाली की गुणवत्ता की जांच करनी होगी।

सूरजकुंड मेला भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आत्मनिर्भर भावना का प्रतिबिंब है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली,31 जनवरी 2026। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने हरियाणा के फरीदाबाद में 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले का उद्घाटन किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त यह मेला भारत और विदेश के कारीगरों, शिल्पकारों और सांस्कृतिक कलाकारों को एक साथ लाता है,जो देश की समृद्ध कलात्मक विरासत और आत्मनिर्भर भारत की भावना का उत्सव मनाते हैं। उपराष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले चार दशकों में सूरजकुंड मेला भारत की सांस्कृतिक आत्मा, कलात्मक उत्कृष्टता और सभ्यतागत निरंतरता का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा है। 30 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ, यह मेला वास्तव में भारत के शाश्वत दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' अर्थात् विश्व एक परिवार है, को दर्शाता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत पर केंद्रित होने से इस आयोजन का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि शिल्पकार सदियों पुराने ज्ञान और परंपराओं के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें

सशक्त बनाना एक समावेशी, टिकाऊ और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना जैसी पहल कौशल विकास, बाजार तक पहुंच और आर्थिक सहायता के माध्यम से हस्तशिल्प के क्षेत्र को मजबूत कर रही है। उत्तर प्रदेश और मेघालय को विषय बनाकर आयोजित मेले की थीम का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये दोनों राज्य भारत की विविधता में एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उत्तर प्रदेश में वस्त्र, धातु शिल्प और कढ़ाई में उत्कृष्ट शिल्प की विरासत झलकती है, वहीं मेघालय के स्वदेशी शिल्प सतत विकास, प्रकृति के साथ सामंजस्य और सामुदायिक परंपराओं का उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जो मिलकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मूर्त रूप देते हैं। उपराष्ट्रपति ने इस वर्ष के मेले के साझेदार देश मिस्र का हार्दिक स्वागत किया और कहा कि मिस्र की प्राचीन सभ्यता, कलात्मक परंपराएं और सांस्कृतिक गहराई भारत की ऐतिहासिक यात्रा से गहराई से मेल खाती हैं। उन्होंने इससे पहले मिस्र के पवेलियन का दौरा किया और देश की समृद्ध परंपराओं और कलात्मक उत्कृष्टता की सराहना करते हुए जन-जन संबंधों को मजबूत करने में सांस्कृतिक कूटनीति की भूमिका पर बल दिया।

मध्य पूर्व में परिवर्तन भारत-अरब संबंधों के लिए प्रासंगिक : जयशंकर

नई दिल्ली,31 जनवरी 2026। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वैश्विक व्यवस्था में जारी मंथन का सबसे स्पष्ट प्रभाव मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में दिखाई दे रहा है और इसका असर भारत पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन भारत और अरब देशों के बीच संबंधों के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। डॉ. जयशंकर यहां आयोजित दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अपने उद्घाटन वक्तव्य में उन्होंने कहा कि राजनीति, अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और जनसांख्यिकी जैसे कारकों के कारण वैश्विक व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हो रहा है, जिसका सीधा प्रभाव पश्चिम एशिया में देखने को मिल रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में मध्य पूर्व में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुए हैं, जिनकी गूंज क्षेत्र से बाहर तक सुनाई दी है।

उन्होंने गाजा की स्थिति का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की गहरी चिंता रही है। उन्होंने अक्टूबर 2025 में आयोजित शर्म अल-शेख शांति शिखर सम्मेलन और इसके बाद नवंबर 2025 में पारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 का भी जिक्र किया। डॉ. जयशंकर ने कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना को आगे बढ़ाना आज एक साझा वैश्विक प्राथमिकता बन चुकी है। इसके

अलावा उन्होंने सूडान,यमन,लेबनान, लीबिया और सीरिया की स्थितियों को भी क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बताया। भारत सहित सभी संबंधित देशों का साझा हित शांति, स्थिरता और समृद्धि की ताकतों को मजबूत करने में निहित है। आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद सभी रूपों में एक साझा खतरा है और सीमा-पार आतंकवाद पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता को एक सार्वभौमिक मानक बनाया जाना चाहिए।

भारत-अरब संबंधों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत के लीग ऑफ अरब स्टेट्स (एलएएस) के सभी देशों के साथ मजबूत साझेदारी है, जिनमें से कई रणनीतिक स्तर तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, व्यापार, प्रवासी भारतीय, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में दोनों पक्ष एक-दूसरे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विदेश मंत्री ने बताया कि भारत-अरब सहयोग मंच 2026-28 के लिए सहयोग के नए एजेंडे पर विचार करेगा, जिसमें डिजिटल, अंतरिक्ष, स्टार्ट-अप, नवाचार, आतंकवाद-रोधी सहयोग और संसदीय आदान-प्रदान जैसे समकालीन विषयों को शामिल करने का प्रस्ताव है। उन्होंने हाल ही में भारत-अरब चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर के शुभारंभ का भी उल्लेख किया। डॉ. जयशंकर ने विश्वास व्यक्त किया कि बैठक के दौरान होने वाली चर्चाएं परिणामोन्मुखी होंगी और भारत-अरब संबंधों को नई मजबूती प्रदान करेंगी।

CMYK

संपादकीय

भविष्य के भारत के लिए सही राह

योजनाओं के कुशल निष्पादन से परिभाषित होगा आने वाला दशक...

पिछले दशक में भारत ने आर्थिक कायाकल्प देखा है, जो जीडीपी वृद्धि से परे पूंजीगत व्यय,डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और संस्थागत क्षमताओं पर केंद्रित है। श्रम बाजार का औपचारीकरण बढ़ा है,गरीबी घटी है,और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में सफलता मिली है। हालांकि, कौशल अंतर,रोजगार की गुणवत्ता और एमएसएमई के लिए नियामक सरलीकरण अभी भी चुनौतियां हैं। भविष्य योजनाओं के कुशल निष्पादन पर निर्भर करेगा...

पिछले एक दशक में भारत के आर्थिक कायाकल्प को सामान्य तौर पर जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों से ही रेखांकित किया जाता है, लेकिन ऐसा करना इस पूरी कहानी को समझने का अधूरा प्रयास ही कहा जाएगा। भारत में आकार ले रहा परिवर्तन विकास की गति से अधिक उसकी प्रकृति एवं स्वरूप में आया बदलाव अधिक महत्वपूर्ण है।

देश ने एक नाजुक और असंतुलित अर्थव्यवस्था से एक ऐसी अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़ाए हैं,जो पूंजीगत व्यय,डिजिटल आधारभूत ढांचे और संस्थागत क्षमताओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में राज्य क्षमता विस्तार, सार्वजनिक वस्तुओं का निर्माण और उनकी नागरिकों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय निवेश देखा गया है। अब चुनौती इन बुनियादी परिवर्तनों को दीर्घकालिक उत्पादकता और समावेशी लाभों में बदलने की है।

निःसंदेह श्रम बाजार का औपचारीकरण बढ़ा है,लेकिन हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि कौशल के स्तर पर अभी भी अवरोध कायम हैं। वेतन आंकड़ों के हालिया रुझान को देखें तो हाल के वर्षों में औसतन बीस लाख नए कर्मियों का मासिक जुड़ाव सामने आया है। यह दर्शाता है कि डिजिटलीकरण और कर सुधारों ने व्यवसायों को औपचारिक स्वरूप अपनाने के लिए प्रेरित किया है। बेरोजगारी दर का पांच प्रतिशत के आसपास स्थिर रहना भी मजबूती और स्थायित्व का संकेत है। फिर भी यह परिवर्तन पहला चरण ही है, क्योंकि केवल औपचारिक रोजगार पर्याप्त नहीं हैं।

स्थितियां तब तक नहीं सुधरेंगी,जब तक रोजगार की उत्पादकता और गुणवत्ता समान रूप से नहीं बढ़ती। महिला श्रम भागीदारी का लगभग 40 प्रतिशत तक पहुंचना हौसला जरूर बढ़ाता है,पर इसका एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण,कम-भुगतान या अवैतनिक कार्यों में केंद्रित है। इसलिए अगला कदम रोजगार की गुणवत्ता और कौशल-आधारित प्रगति पर होना चाहिए, जिसके लिए कौशल प्रमाणन, अप्रेंटिसशिप और उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेषकर विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

विनिर्माण क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स नीति एक बाजी पलटने वाली सफलता के रूप में उभरी है। मात्र एक दशक में भारत मोबाइल फोन आयातक से घरेलू उत्पादन केंद्र में रूप में उभरा है। 2015 में` 11.1 लाख करोड़ के रिकार्ड सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और नीतिगत सहायता ने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को पिछले ग्यारह वर्षों में 11 गुना बढ़ाकर` 4.15 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया। इससे यह धारणा ध्वस्त हुई कि भारत औद्योगिक नीति को लागू नहीं कर सकता। हालांकि यह सफलता एक सीमा भी उजागर करती है। अभी भी जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत के आसपास है और केवल इलेक्ट्रॉनिक्स के सहारे ही व्यापक रोजगार सृजन संभव नहीं। टेक्सटाइल, फुटवियर एवं खिलौना जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में इस प्रकार की सफलता अभी प्राप्त होती नहीं दिख रही। ऐसे में, राज्य प्रोत्साहनों का उचित संयोजन, एमएसएमई अनुपालन सरलीकरण तथा लाजिस्टिक्स एवं बंदरगाह दक्षता में सुधार इस मोर्चे पर सफलता की ओर उन्मुख कर सकते हैं।

इसमें संदेह नहीं कि कारोबारी सुगमता में सुधार ने भी निवेश को गति प्रदान की है। पुराने कानूनों को हटाने,डिजिटल स्वीकृतियां और फेसलेस अनुपालन ने संचालन एवं विस्तार को अधिक सुगम बनाया है। जीएसटी के तहत 1.4 करोड़ व्यवसायों का जुड़ना प्रशासनिक सरलीकरण की गहराई को दर्शाता है। फिर भी छोटे एवं मध्यम उद्यमों के लिए जमीनी अनुभव मिले-जुले हैं। वहां अनुपालन तो डिजिटल हुआ है, पर अपेक्षित रूप से सरलता संभव नहीं हो पाई है।केंद्र-राज्यों के बीच नियामकीय परतें, नियमों में परिवर्तन तथा भूमि एवं श्रम औपचारिकताएं विस्तार की लागत बढ़ाती हैं। इसलिए सुधार के अगले चरण का केंद्र पूर्वानुमानिता, नियमों की स्थिरता और विवाद निपटान की तीव्रता होनी चाहिए। नियम कम होने चाहिए और जो हों, उनमें स्थिरता का भाव हो और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया जाए। भारत ने पिछले दशक में गरीबी घटाने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। करीब 24.8 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। इस दौरान गरीबी सूचकांक 11.28 प्रतिशत तक गिरा है। यह आम नागरिकों की बेहतर जिंदगी का प्रमाण है। इसके बावजूद खपत का स्तर एकसमान नहीं है। कारों और ब्रांडेड सामान की खपत तेजी से बढ़ी है, जबकि सस्ती दैनिक जरूरतों की खपत में बढ़ोतरी अपेक्षाकृत धीमी रही। इसी अंतर को अक्सर बढ़ती असमानता कहा जाता है, लेकिन विकास में यह सही क्रम भी है। इस लिहाज से अब अगली चुनौती आय में स्थिरता नहीं, बल्कि आय की गतिशीलता से संबंधित है। कल्याणकारी योजनाओं को कौशल प्रशिक्षण,छोटे ऋण, स्थानीय मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर और शहरों के रोजगार कॉरिडोर से जोड़कर लांचपैड बनाया जा सकता है। बीते एक दशक में भारत ने डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे, राजकोषीय क्षमता और संस्थागत निर्माण को मजबूती प्रदान की है। इसका अर्थ है कि सुधारों की गति और दायरा बढ़ा है। अब आने वाला दशक बड़ी घोषणाओं से नहीं, बल्कि पूर्व की योजनाओं के कुशल निष्पादन से परिभाषित होगा। यह निष्पादन केवल केंद्र सरकार के स्तर पर ही नहीं, बल्कि राज्यों, नगर निकायों, निजी उद्यमों और संस्थानों की सामूहिक क्षमता पर निर्भर करेगा।

खो रही आनंद मुस्कान

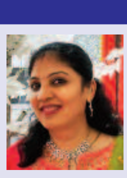

मोनिका डागा आनंद
चेन्नई, तमिलनाडु

जाति-पाति व धर्म के नाम पर लड़ाना कितना आसान,
कमजोर हुई भारत की रीढ़ खो रही आनंद मुस्कान ।

टूटा है आज भी संगठन उन्हीं षड्यंत्रकारी विवादों से,
मुकर जाते देशवासी सहज एक साथ चलने के वादों से,
इंसानियत शर्मसार कब मिटेंगे कलंकित लड़ाई झगड़ें,
ताक में बैठे हैं दुश्मन भावनाओं पर प्रहार करते तगड़े,
बाहर से हुआ विकास पर अंदर अव्यवस्थित सामान,
कमजोर हुई भारत की रीढ़ खो रही आनंद मुस्कान ।

अपना-अपना स्वार्थ आगे आता है हर मुद्दे में पहले,
उगलता है जन समुदाय शब्दों के भारी भरकम गोले,
कभी राजनीति की मार तो कभी भ्रष्टाचार अत्याचार,
सुर्खियों में होते तर्क वितर्क विरोध प्रदर्शन के समाचार,
अंतःकरण में बसा दर्द का सैलाब वो ही पुरानी दास्तान,
कमजोर हुई भारत की रीढ़ खो रही आनंद मुस्कान ।

स्वाधीनता का रंग भी नहीं दे सका अब तक समदृष्टि,
स्वयं कुछ परित्याग करने की सोच से हिल जाती सृष्टि,
भूचाल आ जाता है फिर बस देश में ये तेरा - ये मेरा,
खो जाता फिर कहीं आक्रोश में हर नया सुखद सवेरा,
रोज मिलते यहाँ अनगिनत दिलों में दर्द के गहरे निशान,
कमजोर हुई भारत की रीढ़ खो रही आनंद मुस्कान ।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

भारतीय तटरक्षक बल:समुद्री सीमा पर सन्नद्ध-सजग प्रहरी

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

लगभग पांच दशक पहले जब मैं एक कस्बे में रहकर प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण कर रहा था, तब कक्षा में एक छात्र इलेक्ट्रानिक घड़ी और खिलौने लेकर आया करता था। वे शायद जापान में बने थे और चोरी-छिपे भारतीय चोर बाजारों में पहुंचाया जाता था, जहां से अमीर और शौकिया लोग महंगे दामों पर खरीदते थे। तब उस तरह का सामान खुले बाजार में वहां उपलब्ध नहीं था, तो सभी की पहुंच में भी नहीं था। कक्षा में अन्य सभी बच्चे उसे घेरे रहते और उसके नखरे उठाते,पढ़ाई-लिखाई में कुछ मदद भी करते। उसकी घड़ी पूरे स्कूल में कौतूहल का केंद्र हुआ करती। सभी बच्चे उसमें दिन,दिनांक, समय आदि बटन दबा-दबा कर देखते,मैंने भी देखा था। बहुत बाद में पता चला कि ऐसी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं और सोना समुद्र के रास्ते तस्करी करके लाया जाता है क्योंकि तब समुद्री रास्तों और तटीय क्षेत्रों में समुचित निगरानी के प्रबंध का अभाव था। मादक पदार्थों, सोना, समुद्री जीव-जंतुओं और अन्य वस्तुओं की बड़े पैमाने पर हो रही तस्करी को रोकने,समुद्री हितों की रक्षा करने, समुद्री कानूनों को लागू करने, तटीय सुरक्षा सुनिश्चित करने, समुद्री पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण करने,खतरे में पड़े पोतों व नौकाओं का बचाव कार्य करने तथा समुद्री आपदा के समय अविलम्ब सहायता उपलब्ध कराने हेतु के.एफ. रुस्तम जी की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिश पर नौ सेना से प्राप्त कुछ विमान,नौकाओं एवं अन्य संसाधनों के साथ 1 फरवरी, 1977 को भारतीय तटरक्षक बल की स्थापना की गयी थी,जो रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है। बाद में संसद में पारित तटरक्षक बल अधिनियम 1978 के द्वारा 18 अगस्त, 1978 को भारतीय तटरक्षक बल का विधिवत् उद्घघाटन किया गया था। किंतु भारतीय तटरक्षक बल अपनी वर्षगांठ 1 फरवरी को ही मनाता है। इस अवसर पर उत्कृष्ट योगदान देने वाले सैनिकों एवं अधिकारियों को सेवा मैडल प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय तटरक्षक बल आज अत्याधुनिक पोतों, गस्ती नौकाओं, विमानों, राडार आदि खोजी यंत्रों एवं समर्पित ध्येयनिष्ठ सैनिकों की संख्या के आधार पर विश्व का चौथा सबसे बड़ा तटरक्षक बल बन चुका है। भारतीय तटरक्षक बल का आदर्श वाक्य है - वयं रक्षाम- अर्थात् हम रक्षा करते हैं जो बल की कर्तव्यनिष्ठा,सतर्कता एवं स्वाभिमानी गरिमामय छवि का परिचायक है।

किसी भी देश के आंतरिक एवं बाहरी खतरों एवं चुनौतियों से निबटने के लिए सैन्य या अर्धसैन्य बल महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करते हैं। यह देश की सम्प्रभुता,अखंडता एवं सतत विकास के लिए आवश्यक होता है। भारत के संदर्भ में जमीनी सीमा के साथ समुद्री सीमा की सुरक्षा करते हुए देश में शांति,सुरक्षा एवं विकास का वातावरण बनाये रखने की एक बड़ी जिम्मेदारी स्वाभाविक है। भारत भूमि तीन ओर से समुद्र से घिरी है। पश्चिम में अरब सागर,पूरब में बंगाल की खाड़ी,दक्षिण में हिंद महासागर तथा सैकड़ों की संख्या में द्वीप। वर्ष 2025 में माप अनुसार भारत की समुद्री सीमा लगभग 11-12 हजार किमी है, जिसमें मुख्य भूमि तट 5422 किमी तथा द्वीपीय तट 7516 किमी है, पर इनमें आंशिक बदलाव होता रहता है। भारत की क्षेत्रीय समुद्र जल सीमा 12 समुद्री मील अर्थात् 22 किमी से कुछ अधिक है। भारत के समुद्री तट 9 राज्यों-गुजरात,तमिलनाडु,पश्चिम बंगाल,आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक एवं गोवा तथा 4 केंद्र शासित प्रदेशों को स्पर्श करते हैं। सबसे बड़ी समुद्री तट रेखा गुजरात की है जो 2340 किमी है,जबकि गोवा की सबसे कम। भारतीय तटरक्षक बल अपनी सम्पूर्ण शक्ति एवं सामर्थ्य के साथ समुद्री तटों की निगरानी करते हुए समुद्री क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के लिए भी बद्धपरिकर रहता है। तेल टैंकरों से तेल रिसाव, नाविकों को सहायता, मत्स्य एवं खनिज के उचित दोहन में मदद,समुद्री जीवन पर वैज्ञानिक शोध एवं आंकड़े तथा संकट में मानवीय सहायता उपलब्ध कराना भारतीय तटरक्षक बल की प्रमुख भूमिकाएं हैं। भारतीय तटरक्षक बल के सेवा क्षेत्र को पांच क्षेत्रों में विभाजित किया गया है जिसके मुख्यालय मुम्बई,चैन्नै,गांधीनगर,पोर्ट ब्लेयर एवं कोलकाता में हैं। समन्वय हेतु मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

भारतीय तटरक्षक बल देश का गौरव है। वह सदैव समुद्र तटों की सुरक्षा करते हुए मादक पदार्थों, हथियारों,सोना,जीव-जंतुओं की तस्करी पर लगाम लगाने एवं अवैध मानव आव्रजन की रोकथाम कर देश में सुरक्षित परिवेश बनाने में सफल हुआ है। युद्ध के समय नौ सेना की मदद कर उसकी शक्ति में वृद्धि कर देता है। कह सकते हैं,भारतीय तटरक्षक बल समुद्री तटों पर सन्नद्ध एवं सजग होकर अपने कर्तव्य पालन में जुटे हुए हैं तभी हम देशवासी अपने-अपने कार्यों को शांति एवं सुगमता के साथ करते हुए देश के विकास में योगदान कर रहे हैं। भारतीय तटरक्षक बल की यशगाथा अनवरत् ऊर्ध्वगामी हो,उसकी शौर्य पताका पराक्रम के आकाश पर फहरती रहे, यही कामना है।

संत रविदास भगवान राम के भक्त व समाज सुधारक

संजय गोस्वामी,
अनुशक्तिनगर,मुंबई,महाराष्ट्र

इस साल रविदास जयंती 2026 रविवार,1 फरवरी को मनाई जा रही है । यह भक्ति आंदोलन के महान संत गुरु रविदास की 649 वीं जयंती है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व माघ पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।संत रविदास (रैदास) का जन्म (वि.सं. 1433-1584 ई. सन 1376-1527) वाराणसी के एक चर्मकार परिवार में हुआ था। अपनी आध्यात्मिक साधना, चरित्रबल तथा विनयशील स्वभाव के कारण लाखों लोग, उनके जीवनकाल में ही उनके शिष्य हो गए। उन्होंने ईश्वर भक्ति का व्यापक साहित्य लिखा, किंतु अपने पारिवारिक कार्य (जूता बनाने) को लेकर उनको कोई ग्लानि नहीं थी। पंचगंगा घाट के प्रसिद्ध संत स्वामी रामानंद का शिष्य बनने की इच्छा भक्त रैदास के मन में जागी तो स्वामी रामानंद ने इसे तुरंत स्वीकार कर लिया। भक्त रैदास ने कहा हम चमार हैं तो स्वामी रामानंद ने कहा-प्रभु के यहां कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। स्वामी रामानंद ने रैदास को प्रभु राम की भक्ति करने तथा भजन लिखने का आग्रह किया। भक्तिभाव से पद लिखना,भक्तों के मध्य गाना, किंतु जूते बनाने का अपना व्यवसाय भी करते रहना,यही उनकी दिनचर्या हो गई थी। संत रविदास की जन्म के बारे में यह प्रचलित है कि चौदह सौ तैंतीस की माघ सुदी पंदरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री रविदास। संत रविदास अपने गुरु रामानंद के आशीर्वाद से भगवान राम की सेवा में ऐसे लीन हुए कि प्रभु भक्ति में पूरा जीवन लगा दिया। मध्ययुगीन भक्ति चेतना के प्रमुख संतों में संत रविदास जी का नाम श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल मात्र संत अथवा भक्तों के रूप में ही प्रतिष्ठित नहीं है,अपितु उनका व्यक्तित्व समाज सुधारक, क्रांतिकारी चिंतक,उत्कृष्ट युग-पुरुष के रूप में अभिव्यक्त हुआ है। ऐसे महामानव के जीवन चरित्र ने वर्तमान समाज को एक नई ज्योति प्रदान की है। उनकी पूर्ण प्रामाणिक एवं सर्वप्रथम प्रकाशित वाणी गुरु ग्रंथ साहिब में उपलब्ध होती है। संत रविदास जी का नाम विभिन्न ग्रंथों में अलग-अलग रूप में उपलब्ध होता है। उनके प्रचलित नामों में रविदास,रैदास रोहतास,रोहीदास, रामदास,रुईदास आदि उल्लेखनीय हैं। रामानंद संप्रदाय में मान्य ग्रंथ भक्तमाल में उन्हें रविदास के नाम से अभिहित किया गया है। वर्तमान समय में अन्य नामों को महत्व न देकर उनके जो दो नाम प्रायः ग्रंथों में उपलब्ध होते हैं, वे हैं रविदास और रैदास। संत रविदास जी के माता पिता के संबंध में भी कई मत उपस्थित होते हैं आचार्य पृथ्वीसिंह आजाद ने भविष्य पुराण के आधार पर उनके पिता का नाम मानदास स्वीकार किया है लेकिन संप्रदाय में यह नाम प्रचलित नहीं है। रविदास जी के पिता का नाम रग्घू या रघुनाथ अधिक प्रसिद्ध है। इनकी माता करमा देवी मानी जाती हैं। कई प्रकाशित ग्रंथों में संत रविदास जी की माता का नाम घुरवनिया भी मिलता है। लेकिन करमा नाम को उनके अनुयायियों ने अधिक अपनाया है। अतः उनकी माता का नाम करमा देवी मानना अधिक समीचीन है। रग्घू जी का जूते बनाने

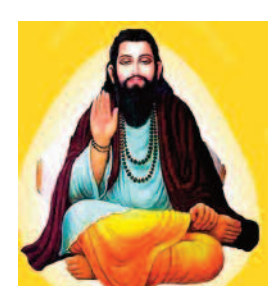

का व्यवसाय था। वे प्रभु भक्त थे और सात्विक जीवन बिताते थे इसलिए गांव के लोग उन्हें भक्त कहकर बुलाते थे। उनकी माता करमा देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं तथा नित्य प्रभु के भजन में लीन रहती हुई समय बिताती थीं। संत रविदास की जन्म के बारे में यह प्रचलित है कि चौदह सौ तैंतीस की माघ सुदी पंदरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री रविदास। संत रविदास अपने गुरु रामानंद के आशीर्वाद से भगवान राम की सेवा में ऐसे लीन हुए कि प्रभु भक्ति में पूरा जीवन लगा दिया। पूजा के कर्मकांड पर उनको कोई विश्वास नहीं था। भक्त रैदास कहते हैं, किससे पूजा करूं, नदी का जल मछलियों ने गंदा कर दिया, फूल को भौरे ने जूठा कर दिया, गाय के दूध को बछड़े ने जूठा किया है,अतः मैं हृदय से ही पूजा कर रहा हूं। उन्होंने पूजा का नहीं वरन पूजा के नाम पर हो रहे ढोंग का विरोध किया। समाज में ऊंच-नीच का भाव भरा पड़ा था। भक्त रैदास जानते हैं कि उनका जन्म ऐसी जाति में हुआ है जिसकी समाज में प्रतिष्ठा नहीं है और इस बात को वे निर्भीकता से स्वीकार भी करते हैं। इस प्रकार, अपनी संपूर्ण जाति को जातिगत संकोच से निकालते हैं और सभी को राम की शरण की ओर ले चलते हैं। संत रविदास अपनी साखी में याद दिलाते हैं कि वेश्या के वशिष्ठ होय,पढ़ देखो पुरान। रविदास कहै हरि भजन से पदवी पाई महान।। वाल्मीकि अधम कुल में जन्म लिया है आन। रविदास कहै हरि भक्ति कर होय रिषी महान।। तनया चंडाल की कोख से पारासर रिषी जो होय। रविदास कहै प्रभु सुमरि कर, ऊंच कहाय सोय।। सिकंदर लोदी के समय संत रैदास को मुसलमान बनाने के कुत्सित प्रयास किए गए। संत रैदास को मुसलमान बनाने से उनके लाखों भक्त भी मुसलमान बन जाएंगे। इस सोच के साथ सदना पीर इनको मुसलमान बनाने आया था,किंतु इनकी ईश्वर भक्ति और आध्यात्मिक-साधना से प्रभावित होकर,रामदास नाम से शिष्य बन गया। एक ओर तो वे जातिगत भेद,बाह्याचार,ढोंग आदि के विरोध में संघर्ष करते हैं,किंतु वैदिक धर्म के दार्शनिक पक्ष में अपनी पूर्ण आस्था बराबर रखते हैं। संत रविदास की दृष्टि और सोच यह थी कि वेद वाक्य उत्तम धरम, निर्मल वाका ज्ञान। यह सच्चा मत छोड़कर, मैं क्यों पढ़ूं कुरान। श्रुति-सास्त्र-स्मृति गाई, प्राण प्राण जाए पर धर्म न जाई। कुरान बहिश्त न चाहिए,मुझको हूर हजार। वेद धर्म त्यागूं नहीं, जो गल चलै कटार। वेद धरम है पूरण धरमा,करि कल्याण मिटावे भरमा। सत्य सनातन वेद हैं,ज्ञान धर्म मर्यादा। जो ना जाने वेद को, वृथा करे बकवाद। सिकंदर लोदी उनको मुसलमान बनाने के लिए प्रलोभन तथा दबाव दोनों की नीति अपनाता है, लोगों को उनके पास भेजता है, किंतु उनका उत्तर सीधा-सपाट है। वे बार-बार हिंदू धर्म में अपनी श्रद्धा,निष्ठा तथा आस्था व्यक्त करते हैं। संत रविदास ने सिकंदर लोदी को निर्भीकता के साथ उत्तर दिया कि मैं नहिं दब्बू बाल गँवारा, गंग त्याग गहूँ ताल किनारा। प्राण तजूँ पर धरम न देऊँ तुमसे शाह सत्य कह देऊँ। चोटी शिखा कबहुँ नहिं त्यागूँ, वस्त्र समेत देह भल त्यागूँ। कंठ कृपाण का करौ प्रहारा, चाहें डुबावो सिंधु मंझारा। संत रैदास का भक्ति भाव देखकर काशी नरेश उनके शिष्य बन गए चित्तौड़ के महाराणा उदय सिंह की पत्नी झाली रानी संत रैदास की शिष्य हो गई।

नए भाजपा अध्यक्ष के निर्वाचन का संदेश

डॉ. एके वर्मा

नितिन नवीन भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए हैं, जो पार्टी की भविष्य की नेतृत्व रणनीति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके नामांकन में प्रस्तावक बनकर संगठन की महत्ता पर जोर दिया। यह चुनाव कार्यकर्ताओं को योग्यता के आधार पर सर्वोच्च पद प्राप्त करने का संदेश देता है, जातिवाद और परिवारवाद से हटकर 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए। यह राज्य सरकारों और विपक्षी दलों को भी महत्वपूर्ण संदेश देता है। इस 20 जनवरी को भाजपा के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत हुई, जब राष्ट्रीय राजनीति में अज्ञात से नितिन नवीन देश की सबसे बड़ी पार्टी के निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। अपने पूर्ववर्ती अध्यक्ष जेपी नड्डा से वे 20 वर्ष छोटे हैं और अब तक भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। यह पार्टी के रणनीतिक सोच को दर्शाता है, जो भविष्य में नेतृत्व की युवा पीढ़ी तैयार करना चाहती है और संक्रमण काल में प्रधानमंत्री मोदी जैसे वरिष्ठ-अनुभवी तथा नितिन जैसे ऊर्जावान युवा की जोड़ी बनाकर सत्ता की स्थिरता से पार्टी में आने वाले ठहराव और आत्मसंतुष्टि को झकझोरना चाहती है।

प्रधानमंत्री का लक्ष्य स्पष्ट हैः- 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र और उससे पहले विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाना। उन्हें इस मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं का भान है-लोकतांत्रिक व्यवस्था,संवैधानिक रुकावटें,न्यायिक अवरोध,लगातार चुनाव जीतने की चुनौतियां तथा तेजी से बदलता वैश्विक परिदृश्य। नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने कई संदेश दिए हैं। पहला संदेश अपनी पार्टी के लिए ही है कि भाजपा का संगठन अपनी सरकार से ज्यादा महत्वपूर्ण है। जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी स्वयं नवीन के नामांकन में प्रस्तावक तथा गृहमंत्री एवं रक्षामंत्री अनुमोदक बने, जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने उन्हें पार्टी में अपना 'बास' बताते हुए कहा कि वे उनकी भी 'सीआर' लिखेंगे और जिस प्रकार अपने स्वागत-संबोधन में उन्हें अनेक बार माननीय कहकर संबोधित किया, वह यह संदेश दे गया कि युवा नवीन भाजपा के बड़े से बड़े नेताओं, मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और संगठन के सभी पदाधिकारियों के भी 'बॉस' हैं।

ऐसा केवल वही कर सकता है,जो स्वयं कार्यकर्ता से प्रधानमंत्री बना हो। सरकारें तो लोकतंत्र में आती-जाती रहती हैं, लेकिन संगठन हर झंझावात में खड़ा रहता है और रहना चाहिए। यह पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं को सख्त संदेश है कि युवा नवीन को कोई भी हल्के में न ले। पार्टी नेतृत्व में यह पीढ़ीगत परिवर्तन भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को संभवतः साकार कर सकेगा। दूसरा प्रमुख संदेश पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को दिया है कि अपने कार्य, पार्टी की विचारधारा के साथ प्रतिबद्धता, दलीय कार्यसंस्कृति के प्रति समर्पण एवं जनता से जुड़ाव द्वारा वे संगठन में सर्वोच्च पद भी प्राप्त कर सकते हैं। उनका किसी जाति विशेष का होना जरूरी नहीं,किसी राजनीतिक गाडफादर की आवश्यकता नहीं-केवल 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' अर्थात कर्म प्रधानता के मूलमंत्र का ही ज्ञान होना चाहिए।

दुर्भाग्य से देश में अधिकतर पार्टियां परिवार के इर्दगिर्द घूमती हैं, अतः उनके कार्यकर्ता जनता से जुड़ने के बजाय उस परिवार और उसके मुखिया से जुड़ने को वरीयता देते हैं। उन्हें पार्टी विचारधारा के प्रति समर्पण से ज्यादा जरूरी उस परिवार के प्रति समर्पण लगता है। ऐसा न करने वाले कार्यकर्ता धीरे-धीरे उपेक्षित होकर दूसरी पार्टियों की ओर चल देते हैं। नवीन के भाजपा अध्यक्ष बनने से पार्टी कार्यकर्ताओं में एक उम्मीद जगी है, जो उन्हें सक्रियता, ऊर्जा, आशा, उत्साह और सकारात्मक सोच से ओतप्रोत कर विकसित भारत के 'संकल्प को सिद्धि' तक ले जाने में महत्वपूर्ण कारक बनाएगी।

नवीन को अध्यक्ष बना भाजपा ने तीसरा संदेश राज्य की भाजपा सरकारों को दिया है। करीब 16 राज्यों में भाजपा/राजग सरकारें है। जातिवाद, क्षेत्रीयता और वैयक्तिक प्रतिस्पर्धा के चलते पार्टियों की राज्य इकाइयों में प्रायः दलीय गुटबाजी होती है, जिसे पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को संतुलित और अनुशासित करना होता है, लेकिन उससे भी जटिल मुख्यमंत्री और राज्य संगठन के शीर्ष नेतृत्व के बीच का संघर्ष होता है। मुख्यमंत्री अपने को 'बास' मानता है और प्रदेश अध्यक्ष एक आभूषणीय पद होकर रह जाता है, जो संगठन और सरकार में टकराव को जन्म देता है, जिससे चुनावों में पार्टी की विजय की संभावनाएं क्षीण हो जाती हैं। प्रधानमंत्री ने नवीन को अपने 'बास' और माननीय के रूप में संबोधित कर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को संदेश दिया कि मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के बीच कैसे समीकरण होने चाहिए। मुख्यमंत्रियों को इशारों में सलाह भी दी कि प्रदेश सरकार बनने के पीछे पार्टी संगठन की ताकत और मेहनत होती है। अतः पार्टी प्रदेश अध्यक्ष को नीति-निर्णयन में सहभागिता और वांछित श्रेय मिलना चाहिए।

प्रायः भाजपा के मुख्यमंत्री प्रशासकीय अमले को ही नीति-निर्माण और निर्णयन का एकमात्र अभिकरण मानते हैं, जबकि उन्हें लागू कराने में वे संगठन का सक्रिय सहयोग चाहते हैं। समस्या यहीं से शुरू होती है और संगठन कार्यकर्ता अपनी ही सरकार में हाशिये पर चले जाते हैं। जो समीकरण प्रधानमंत्री और नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष के बीच मोदी ने उनके कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर प्रदर्शित किया, उसी की अपेक्षा पार्टी राज्य स्तर पर भी करेगी। यही सरकार और संगठन दोनों के लिए श्रेयस्कर होगा।

नए भाजपा अध्यक्ष का निर्वाचन विपक्षी पार्टियों को भी यह संदेश दे गया कि वे जातीय-अस्मिताओं के मके जाल से बाहर निकलें, परिवारवाद छोें, समावेशी दृष्टिकोण अपनाएं, दलीय विचारधारा से प्रतिबद्धता, कार्यकर्ताओं की कर्मठता एवं योग्यता को सत्ता-संरचना में समुचित स्थान देकर अपनी पार्टी में प्राण फूंकें।

कुछ भी नहीं

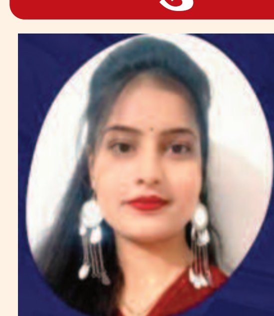

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

कुछ भी नहीं,अक्सर बहुत कुछ कहती है। किसी के दिल का दर्द तो कभी किसी के प्यार का इजहार बताती है पर पता नहीं क्यूँ फिर भी लोग कुछ भी नहीं बोलकर, कई बातों को छुपा लेते हैं और सामने वाले के मन में प्रश्न का चक्र चला देते हैं। कुछ सोचने में डूब जाते हैं तो कुछ इग्नोर कर देते हैं। लेकिन मेरे मन में तो मानो सवाल की घड़ी ही चलने लगती है जो रूकती ही नहीं, लगातार चलती ही जाती हैं और मुझे सोचने पर मजबूर कर देती है कि आखिर उसके साथ क्या हुआ होगा जो पूरी बात बताकर दिल हलका करने से ज्यादा वो कुछ नहीं बोलकर चला गया। क्या वो इतना परेशान था कि बिना कुछ बताए वो चुपचाप एक किनारे में बैठ गया । शायद हो सकता है कि उसके मन के सवाल ने उसको ही अदंर से तोड़ दिया होगा तभी तो दुनिया की भीड़ से दूर होकर वो एक किनारे में अकेला बैठा है। हाँ! मानती हुँ जिंदगी के हर पल एक जैसे नहीं होते हैं, उतार - चढ़ाव होते रहते हैं लेकिन इसका ये मतलब तो बिल्कुल नहीं कि हम अपनों से दूर होकर अकेले परिवेश में रहे। मेरे मन में चल रहे कई सवालों के उत्तरों से अब मै खुद परेशान हो चूंकी थी तब धीरे - धीरे उसके पास गई और बैठी फिर पूछी क्या हुआ है तुम्हें? यूँ अकेले इतनी शाम को क्यूँ बैठे हो, घर चले जाओ ना - उसने कहा कुछ भी नहीं, तुम जो भी हो चली जाओ मुझे अकेला रहना है। मै बोली ठीक है चली जाऊँगी लेकिन बता दो कम से कम, मुझे तुम्हारी चिंता हो रही हैं। तब वो चिल्लाते हुए एक पत्थर उठाकर बोला - मार कर सिर फाड़ दूँगा चली जाओ यहाँ से। अचानक से चिल्लाते हुआ वो खड़ा हुआ तो डर से मै गिर गई और पता नहीं क्यूँ आँखों से पानी निकल आ गया। शायद इसलिए क्योंकि बहुत प्यार से बड़ी हुई हुँ मैं और कोई मुझे डाँटता नहीं है इसलिए। लेकिन अभी भी मैं रोते हुए यही पूछ रही हूं कि कुछ भी नहीं का मतलब मै समझती हूँ इसलिए बोल रही हुँ कुछ तो है जो तुमको अदंर से परेशान कर रहा है बता दीजिए हमें और विश्वास कीजिए मैं किसी को कुछ नहीं बताऊँगी। इतना सुनते वो शांत हो गया, लेकिन वो जोर - जोर से रोने लगा। सच बताऊँ तो मैने अपने जिदंगी में पहली बार किसी स्वस्थ मर्द को इतना रोते देख रही हुँ और समझ नहीं आ रहा था कि कैसे चुप करवाऊँ क्योंकि मैने किसी मर्द को कभी ना रोते देखा था और ना मैने चुप करवाया कभी। फिर भी रूमाल देते हुए दिलासा दिया और कहा चुप हो जाओ, जो हो गया उसे जाने दो। तुम जवान हो, पढ़े - लिखे लग रहे हो क्या हो गया जो रो पड़े ऐसे। तो उसने अपने जिंदगी के वो ग्यारह माह की बात बताई जो उसकी जिदंगी को खत्म कर चूंकी है। फिर आँखो से आँसू को पोछते हुए कहा - कुछ भी नहीं, अब आप जाओ, अच्छा लगा मिलकर। और वो चला गया लेकिन मै थम सी गई वही पर सच में कुछ भी नहीं बहुत कुछ होती हैं।

6 लाख के नशीले इंजेक्शन के साथ जीजा-साला गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

संभागीय आबकारी उडऩदस्ता टीम ने 12 सौ नग नशीले इंजेक्शन के साथ जीजा-साले को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी बतौली के बेलकोटा बस स्टॉप पर किसी अन्य व्यक्ति को नशीले इंजेक्शन की सप्लाई देने के लिए रुके हुए थे। जानकारी के अनुसार साला झारखंड के गढ़वा जिले से 1200 नग नशीले इंजेक्शन लेकर बतौली अपने जीजा के पास पहुंचा था। आबकारी उडऩदस्ता टीम ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 22-सी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल दाखिल कर दिया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि 30 जनवरी की शाम वह अपने दल के साथ बतौली की ओर गश्त पर निकले थे। इसी दौरान बेलकोटा बस स्टॉप पर दो व्यक्ति दो बोरियों में सामान लिए संदिग्ध हालत में खड़े दिखाई दिए। टीम के पहुंचते ही दोनों भागने की कोशिश करने लगे,जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान एक बोरी से 600 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन तथा दूसरी बोरी से 600 नग एविल इंजेक्शन बरामद किए गए, जो प्रतिबंधित हैं और नशे के लिए उपयोग किए जाते हैं। जब्त इंजेक्शन की कुल कीमत लगभग 6 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपियों की पहचान अनूप गुप्ता निवासी गोदरमाना जिला गढ़वा (झारखंड) और विनय गुप्ता निवासी पाटोली जिला सरगुजा के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी आपस में जीजा-साला हैं और झारखंड से सरगुजा संभाग में नशीले इंजेक्शन की सप्लाई कर रहे थे।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि अनूप गुप्ता का नाम पहले भी नशीले इंजेक्शन के सप्लायर के रूप में सामने आ चुका था, लेकिन झारखंड सीमा क्षेत्र में रहने के कारण वह गिरफ्त से बचता रहा। वह गोदरमाना क्षेत्र से पूरे सरगुजा संभाग में नशीले इंजेक्शन की सप्लाई करता था। उन्होंने बताया कि बीते एक माह के भीतर यह आबकारी विभाग की पांचवीं बड़ी कार्रवाई है। पूछताछ में अनूप गुप्ता ने खुलासा किया कि वह गढ़वा के रंजीत विश्वकर्मा, मंजूर अंसारी और प्रमोद जायसवाल के माध्यम से नशीले इंजेक्शन खरीदता था। रंजीत विश्वकर्मा मुख्य डीलर है, जबकि मंजूर अंसारी और प्रमोद जायसवाल माल की सप्लाई करते थे।

इस कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक टी.आर. केहरी,मुख्य आरक्षक अशोक सोनी, रमेश दुबे,कुमारु राम,नगर सैनिक गणेश पांडेय,रणविजय सिंह,ओम प्रकाश गुप्ता और नीरज चौहान शामिल रहे।

मैनपाट में खनन का विरोध, मुआवजा न मिलने से आक्रोशित किसानों ने बॉक्साइट खनन कार्य रोका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

मैनपाट क्षेत्र में एक बार फिर बॉक्साइट खनन को लेकर विरोध शुरू हो गया है। माझी जनजाति के किसानों ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सीएमडीसी) द्वारा मां कुदरगढ़ी एल्युमिना कंपनी के माध्यम से अवैध रूप से बॉक्साइट की माइनिंग कराई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि 52 किसानों की लगभग 300 एकड़ कृषि भूमि पर बिना किसी मुआवजा दिए खनन कार्य शुरू कर दिया गया है,जिससे किसानों में भारी आक्रोश है। जिला पंचायत सदस्य रतनी नाग ने बताया कि मैनपाट के बरिमा ग्राम पंचायत क्षेत्र में सीएमडीसी को वर्ष 2023 तक बॉक्साइट खनन की लीज दी गई थी,जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद मां कुदरगढ़ी कंपनी द्वारा खेतों में भारी मशीनें लगाकर खुदाई कराई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की जमीन की मिट्टी को इधर-उधर फेंका जा रहा है, जिससे खेती पूरी तरह बर्बाद हो रही है,जबकि अब तक किसानों को किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया गया है। खनन के विरोध में माझी जनजाति के किसानों ने शुक्रवार को खदान स्थल पर पहुंच गए और काम बंद करा दिया।

आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि मशीनें नहीं हटाई गई और खनन कार्य जारी रहा तो कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है, जिसकी जिम्मेदारी माइनिंग कंपनी और सीएमडीसी की होगी। ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए खदान स्थल से मशीनों को हटाना पड़ा। किसानों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उन्हें उनकी जमीन का पूरा मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक खनन कार्य दोबारा शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ श्री हरि अखंड कीर्तन
अष्ट प्रहरी नाम यज्ञ,24 घंटे गूंजेगा हरिनाम संकीर्तन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

नगर के मंगलपारा सिकरी रोड स्थित यज्ञ सेवा समिति द्वारा आयोजित श्री हरि अखंड कीर्तन अष्ट प्रहरी नाम यज्ञ (24 घंटे) का शुभारंभ शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ विधिवत रूप से किया गया। धार्मिक मंत्रोच्चार,हरिनाम संकीर्तन और श्रद्धालुओं की आस्था के बीच प्रारंभ हुआ यह यज्ञ लगातार 24 घंटे तक चलेगा,जिसके पश्चात पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। भक्ति से सराबोर हुई नगर की गलियां-यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर निकाली गई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं,पुरुष,युवा एवं बच्चे शामिल हुए। सिर पर कलश धारण कर श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण पर निकले।'हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे-हरे' और 'हरे राम हरे राम,राम राम हरे-हरे'के जयघोष से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित हो गया,कलश यात्रा मंगलपारा सिकरी रोड से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए यज्ञ स्थल पहुंची,जहां विधि-विधान के साथ यज्ञ की स्थापना की गई।

24 घंटे निरंतर चलेगा अखंड हरिनाम संकीर्तन-यज्ञ सेवा समिति के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह श्री हरि अखंड कीर्तन अष्ट प्रहरी नाम यज्ञ निरंतर 24 घंटे बिना रुके संचालित रहेगा। इस दौरान विभिन्न मंडलियों द्वारा हरिनाम संकीर्तन,भजन एवं कीर्तन प्रस्तुत किए जाएंगे, कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना का

प्रसार, सकारात्मक ऊर्जा का संचार तथा जनमानस में शांति और सद्भाव की भावना को मजबूत करना है।

श्रद्धालुओं से सहभागिता की अपील-यज्ञ सेवा समिति मंगलपारा, सिकरी रोड, अंबिकापुर द्वारा नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर हरिनाम संकीर्तन में भाग लें और धर्म लाभ अर्जित करें,समिति ने बताया कि यह यज्ञ 30 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक आयोजित रहेगा, जिसमें सभी श्रद्धालु सपरिवार आमंत्रित हैं।

भक्ति,श्रद्धा और संस्कृति का संगम-अखंड हरिनाम यज्ञ के आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक वातावरण निर्मित हो गया है। देर रात तक चल रहे कीर्तन में श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते नजर आए। आयोजन को लेकर नगरवासियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

सरगुजा संभाग में रजत जयंती ऊर्जा महोत्सव का आयोजन...
35 स्थानों पर हुए कार्यक्रम,पीएम सूर्यघर योजना का हुआ व्यापक प्रचार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) अम्बिकापुर के अधीनस्थ कार्यालयों में राज्य शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 जनवरी से 6 फरवरी तक रजत जयंती ऊर्जा महोत्सव सप्ताह मनाया जा रहा है। महोत्सव के पहले दो दिनों में सरगुजा संभाग के जशपुर, सरगुजा, बलरामपुर, मनेन्द्रगढ़, कोरिया और सूरजपुर जिलों के 35 स्थानों एवं कार्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए,जिसमें सैकड़ों की संख्या में विद्युत उपभोक्ता,जनप्रतिनिधि और आमजन शामिल हुए। महोत्सव की जानकारी देते हुए मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं सीएसपीडीसीएल के चेयरमैन डॉ. रोहित यादव के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह रजत जयंती ऊर्जा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रमों और प्रदर्शनी के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों, विकास के विभिन्न चरणों और जनोपयोगी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

पीएम सूर्यघर योजना का प्रचार, उपभोक्ता बन रहे ऊर्जा उत्पादक : महोत्सव के दौरान फ्लेक्स,पोस्टर और मॉडलों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस योजना के तहत सोलर पैनल लगवाकर उपभोक्ता ऊर्जा उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बन रहे हैं। योजना का उद्देश्य सस्ती बिजली से आगे बढ़ते हुए मुफ्त बिजली की दिशा में कदम बढ़ाना है। महोत्सव के नोडल अधिकारी आवेदन कुजूर ने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगवाने पर केंद्र और राज्य शासन द्वारा आकर्षक सब्सिडी दी जा रही है। 1 किलोवाट पर 45 हजार रुपये, 2 किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा 3 किलोवाट पर 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि योजना के प्रति उपभोक्ताओं की रुचि लगातार बढ़ रही है। रजत जयंती महोत्सव का आयोजन क्षेत्रीय,संभागीय,महाविद्यालय, स्कूल,ब्लॉक और तहसील स्तर पर किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न श्रेणियों के 25 आदर्श विद्युत उपभोक्ताओं का चयन कर जनप्रतिनिधियों के करकमलों से उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जा रहा है। अम्बिकापुर क्षेत्र के दो कॉलेज और चार स्कूलों में निबंध,भाषण,नारा लेखन,क्विज और नाटक जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों, अभिभावकों और आमजन को पीएम सूर्यघर योजना,मोर बिजली ऐप और गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवाओं से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही ऊर्जा संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में 4 फरवरी को मुख्य अभियंता कार्यालय बिशुनपुर,अम्बिकापुर में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में क्षेत्रीय स्तर पर उपभोक्ता सम्मान एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं 5 फरवरी को पीजी कॉलेज अम्बिकापुर में निबंध,भाषण,नारा लेखन और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विजेताओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

24 घंटे में 71 वारंटी गिरफ्तार,सभी भेजे गए जेल

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा निर्देशन मे पुलिस टीम द्वारा 54 स्थाई वारंट एवं 17 गिरफ़्तारी वारंट कुल 71 वारंटी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों कों माननीय न्यायालय द्वारा जारी स्थाई वारंट एवं गिरफ़्तारी वारंट के आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने एवं आरोपियों को जेल भेजनें हेतु 24 घंटे का विशेष अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया था, आदेश के परिपालन मे पुलिस टीम द्वारा वारंटियों पर नकेल कसते हुए धरपकड़ की गई,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों,नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल (भा.पु.से.),अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर राजेंद्र मंडावी एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण तूल सिंह पट्टावी के नेतृत्व मे जिला मुख्यालय एवं प्रत्येक थाना चौकी स्तर पर थाना/चौकी प्रभारियो द्वारा पुलिस टीम के साथ सुबह सुबह वारंटियों के सकुनत पर औचक दस्तक दी गई,अभियान के दौरान सरगुजा जिले के समस्त थाना/चौकी से कुल 54 स्थाई वारंट एवं 17 गिरफ्तारी वारंट के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, सरगुजा पुलिस द्वारा अभियान के दौरान

ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए कुल 71 वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया हैं। अभियान के दौरान थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा 19 स्थाई वारंट एवं 02 गिरफ़्तारी वारंट,थाना गांधीनगर द्वारा 13 स्थाई वारंट, थाना मणीपुर द्वारा 04 स्थाई वारंट एवं 05 गिरफ़्तारी वारंट,थाना उदयपुर द्वारा 03 स्थाई वारंट एवं 02 गिरफ़्तारी वारंट, थाना लखनपुर द्वारा 02 स्थाई वारंट,थाना कमलेश्वरपुर द्वारा 01 स्थाई वारंट एवं 03 गिरफ़्तारी वारंट,थाना लुन्ड्रा द्वारा 03 गिरफ़्तारी वारंट,थाना बतौली द्वारा 04 स्थाई वारंट,थाना धौरपुर द्वारा 02 स्थाई वारंट, थाना सीतापुर द्वारा 01 स्थाई वारंट एवं 04 गिरफ़्तारी वारंट,थाना दरिमा द्वारा 02 स्थाई वारंट एवं 01 गिरफ़्तारी वारंट के वारंटियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजनें की कार्यवाही की गई है,अभियान के दौरान सर्वाधिक वारंटियों को थाना कोतवाली एवं थाना गांधीनगर द्वारा गिरफ्तार किया गया है। थाना कमलेश्वरपुर अंतर्गत मानव तस्करी के प्रकरण मे माननीय न्यायालय द्वारा 18 वर्ष पूर्व के मामले मे आरोपी राजेश एक्का साकिन जुनगानी खारापारा पत्थलगांव का स्थाई वारंट जारी किया गया था,जिसे पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही कर वारंटी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया है,जिला सोनभद्र उत्तरप्रदेश मे यातायात नियमो की अवहेलना पर वर्ष 2015 मे वाहन चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज होने पर एवं मामले मे अग्रिम कार्यवाही पश्चात माननीय न्यायालय जिला सोनभद्र उत्तरप्रदेश द्वारा आरोपी दिनेश प्रताप सिंह का स्थाई वारंट जारी किया गया था,उक्त स्थाई वारंट तमिली हेतु थाना गांधीनगर को प्राप्त हुआ था,उक्त क्रम मे आरोपी वाहन चालक दिनेश प्रताप सिंह साकिन गांधीनगर को थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा पकड़ा गया है।

जिले में संचालित "37 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026" कार्यक्रम का समापन

सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत विभिन्न कायक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागी किए गए सम्मानित

-संवाददाता-
बलरामपुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

जिला बलरापमुर.रा.गंज अंतर्गत पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के निर्देशन में ''37 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह''का आयोजन दिनांक 01.01.2026 से 31.01.2026 तक किया गया था। जिसका समापन दिनांक 31/1/2026 को बलरामपुर जिले के ऑडिटोरियम हॉल साप्ताहिक बाजार के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। 37 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह''का समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर बलरामपुर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, नगर पालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का,नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप सोनी रहे। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ यातायात प्रभारी विमलेष कुमार देवांगन द्वारा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी तक आयोजित '' 37 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 '' कार्यक्रम की रूप रेखा के विमोचन के साथ गया।

समस्त अनुभाग मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर दी गई थी जानकारी : समापन समारोह में पुलिस विभाग द्वारा समस्त अनुभाग मुख्यालयों में आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में बताया गया। जिसमें यातायात जागरूकता थीम (हेलमेट/सीटबेल्ट/शराब/मालयान में सवारी बैठाना) रील्स मेकिंग कॉम्पिटीशन,नो हेलमेट-नो पेट्रोल, सड़क सुरक्षा मितानों, एवं यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने वाले विषय पर स्लोगन, निबंध, चित्रकला,प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिता का आयोजन एवं यातायात की थीम पर विभिन्न प्रकार के एथलेटिक्स-

100 मी, 1500 मी. दौड़,लम्बी कूद,ऊँची कूद जैसे खेलों का आयोजन के संबंध में बताया गया। पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने बताया की सड़क दुर्घटना होने पर जो पहला घंटा होता है उसे गोल्डेन आवर कहा जाता है। यदि समय रहते घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार दिया जाये एवं उसकी सूचना पुलिस अथवा एम्बूलेंस को दि जाये तो उस घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। ऐसे व्यक्तियों को पुलिस''गुड समेरिटन''कहती हैं। तथा स्कूली छात्र/छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों से घायल व्यक्तियों की मद्द करने अपील कि गई। साथ ही 37 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत पुलिस विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे चित्रकला,भाषण,निबंध,वाद विवाद प्रतियोगिता,स्लोगन एवं रील्स बनाओं ईनाम पाओ प्रप्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को क्रमषः प्रथम,द्वितीय,तृतीय पुरस्कार देकर उन्हे सम्मानीत किया गया।

लखनपुर में पुलिस की प्रताड़ना से युवक की आत्महत्या, प्रधान आरक्षक पर अपराध दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र में पदस्थ प्रधान आरक्षक की कथित प्रताड़ना से युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी प्रधान आरक्षक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। जांच में सामने आया है कि प्रधान आरक्षक ने कार्रवाई का डर दिखाकर युवक से 50 हजार रुपये की मांग की थी। जानकारी के अनुसार आशीष मिंज (20 वर्ष) निवासी ग्राम चुकनडांड़ सेमरापारा, थाना लखनपुर की 16 वर्षीय प्रेमिका ने आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में किशोरी के परिजनों ने आशीष मिंज और उसकी मां पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। मामले की विवेचना लखनपुर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक पन्नालाल द्वारा की जा रही थी। आरोप है कि जांच के दौरान प्रधान आरक्षक ने आशीष मिंज और उसकी मां को थाने बुलाकर कहा कि उन पर गंभीर आरोप हैं और जेल जाना पड़ेगा। यदि कार्रवाई से बचना है तो 50 हजार रुपये देने होंगे। रुपए की मांग को लेकर प्रधान आरक्षक लगातार आशीष को प्रताड़ित कर रहा था। प्रताड़ना से मानसिक रूप से परेशान आशीष मिंज ने 4 अप्रैल 2025 को गांव के पास स्थित पुलिया में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद आशीष की मां अमला मिंज ने प्रधान आरक्षक पर रुपए मांगने और प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया था। मामले की जांच के बाद आरोप सही पाए गए। लखनपुर थाना प्रभारी एसआई सम्पत्त पोटाई ने आरोपी प्रधान आरक्षक पन्नालाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

निधन

अम्बिकापुर। शहर के सत्तीपारा शितला वार्ड निवासी विमला देवी की 85 वर्ष की आयु में शनिवार की सुबह 5.30 बजे निधन हो गया। वे पिछ्ले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहीं थीं और निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार शंकर घाट स्थित मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि बड़े पुत्र ने दी। वे अपने पीछे चार पुत्र शिक्षक ओम प्रकाश सिन्हा, अधिवक्ता वेद प्रकाश सिन्हा, जय प्रकाश सिन्हा, शिव प्रकाश सिन्हा व पुत्री किरण सिन्हा सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई।

विमला देवी

संदेश स्पष्ट और सशक्त रहा-'यातायात नियम अपनाएं-जीवन बचाएं...सड़क सुरक्षा ही सच्ची सुरक्षा है'

जनभागीदारी से बना सड़क सुरक्षा माह का ऐतिहासिक समापन,बैकुंठपुर में उमड़ा जनसैलाब

- नियम अपनाएं,जीवन बचाएं' के संदेश के साथ सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह सम्पन्न
- माननीय स्वास्थ्य मंत्री की मौजूदगी में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का भव्य समापन...
- हेलमेट रैली,सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह के साथ सड़क सुरक्षा माह संपन्न...
- एक माह तक चले जनजागरूकता अभियानों का मानस भवन में हुआ गरिमामय समापन...
- जनप्रतिनिधि,प्रशासन और पुलिस एक मंच पर–सड़क सुरक्षा माह का सफल समापन...
- सुरक्षित यातायात का संकल्प लेकर संपन्न हुआ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026
- भव्य हेलमेट रैली एवं गरिमामय समारोह के साथ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का समापन...
- माननीय स्वास्थ्य मंत्री,विधायक,प्रशासनिक अधिकारी, छात्र व जनसमुदाय की रही ऐतिहासिक सहभागिता...
- सड़क सुरक्षा को लेकर जिले में जागी चेतना,भव्य समारोह के साथ अभियान का समापन...

कोरिया जिले में सड़क सुरक्षा माह बना जनआंदोलन,समापन समारोह में दिखी एकजुटता

महिला सशक्तिकरण से लेकर गुड सेमेरिटन सम्मान तक,यादगार रहा सड़क सुरक्षा माह समापन

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

मानस भवन बैकुंठपुर में शनिवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 का भव्य, अनुशासित एवं प्रेरणादायी समापन समारोह संपन्न हुआ। जिले में 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक चले सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों का यह आयोजन न केवल प्रशासनिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक चेतना के स्तर पर भी अत्यंत प्रभावशाली रहा,इस अवसर पर माननीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों,पुलिस विभाग, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों,विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति देखने को मिली।

मुख्य अतिथि रहे कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री–लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा,पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे, अपने संबोधन में उन्होंने कहा सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली अधिकांश मौतें नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं, हेलमेट,सीट बेल्ट, निर्धारित गति और यातायात नियमों का पालन करके हम अनमोल जीवन को बचा सकते हैं, उन्होंने ओवरस्पीड,शराब सेवन कर वाहन चलाने एवं मोबाइल उपयोग जैसी लापरवाह प्रवृत्तियों से बचने का आह्वान किया तथा कोरिया पुलिस द्वारा संचालित जन-जागरूकता अभियानों की खुलकर प्रशंसा की। यातायात नियमों का पालन अब जनभागीदारी से संभवः मंत्री- मुख्य अतिथि ने कहा कि पुलिस द्वारा गुलाब भेंट कर जागरूकता, स्कूल-कॉलेजों में शिविर,ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कार्यक्रम, सार्वजनिक आयोजनों के माध्यम से अपील, जैसे सकारात्मक प्रयास किए गए हैं,अब आवश्यकता है कि आम नागरिक स्वयं नियमों को अपनाकर सड़क सुरक्षा आंदोलन का हिस्सा बनें।

विधायक भईया लाल राजवाड़े ने दिए व्यावहारिक सुझाव...

कार्यक्रम की अध्यक्षता बैकुंठपुर विधायक भइया लाल राजवाड़े ने की, उन्होंने कहा सड़क सुरक्षा केवल कानून नहीं, बल्कि अनुशासन है, यदि लाइसेंस बनने के बाद ही वाहन पंजीयन अनिवार्य किया जाए तो दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से भारी कमी लाई जा सकती है, उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से हेलमेट व लाइसेंस अनिवार्य रूप से रखने की अपील की।

कलेक्टर ने दिया अनुशासन व जिम्मेदारी का संदेश : कलेक्टर कोरिया चंदन संजय त्रिपाठी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा जब पक्षी भी आकाश में उड़ते समय नियमों का पालन करते हैं, तो हम मनुष्य क्यों नहीं? नियम अपनाकर ही हम अपने जीवन और परिवार को सुरक्षित रख सकते हैं,उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य केवल अभियान नहीं बल्कि व्यवहार परिवर्तन है।

महिला आरक्षकों ने प्रस्तुत किया सशक्तिकरण का जीवंत संदेश : अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेशा चौबे के नेतृत्व में महिला पुलिसकर्मियों ने हेलमेट रैली के दौरान रानी लक्ष्मीबाई, सरोजिनी नायडू, इंदिरा गांधी, प्रतिभा पाटिल एवं किरण बेदी के स्वरूप धारण कर महिला सशक्तिकरण का प्रभावशाली संदेश दिया,यह प्रस्तुति नगरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

गुड सेमेरिटन सम्मान से हुए नागरिक सम्मानित : सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद कर मानवता का परिचय देने वाले नागरिकों को मंच पर गुड सेमेरिटन सम्मान प्रदान किया गया,सम्मानित होने वालों में वैभव सिंह,संजय सोलंकी,एस. प्रकाश,रईस अहमद, मुख्तार अंसारी,अनुराग दुबे,अंचल किशोर राजवाड़े, गणेश राजवाड़े, भाग सिंह, सुनील सोनवानी, सिद्धार्थ सिंह, हरिकेश राजवाड़े, सक्षम कुर्रे, तुलेश्वर, कुंती राजवाड़े,स्मृति सोनी, अहिल्या राजवाड़े, देवकुमारी,धीरेंद्र साहू, रुकमणी,भगमनिया कुर्रे एवं लीलावती साहू शामिल रहे।

एनसीसी व एनएसएस की रही अहम भूमिका : जिला एनसीसी अधिकारी संजीव जायसवाल एवं एनएसएस जिला संगठक एम.सी. हिमधर के नेतृत्व में कैडेट्स एवं स्वयंसेवकों ने जन-जागरूकता अभियानों में सक्रिय सहभागिता निभाई।

एसपी ने प्रस्तुत किया माहभर का विस्तृत प्रतिवेदन

समापन कार्यक्रम के आयोजन प्रमुख पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे ने एक माह तक चले अभियानों का विस्तार से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया,उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान 115 वाहन चालकों की नेत्र जांच, बिना नंबर वाहनों में नंबर अंकन,वाहनों में रिफ्लेक्टर टेप लगाया गया,नियम पालन करने वाले चालकों को गुलाब फूल देकर सम्मान,बैनर,पोस्टर,पंपलेट व लाउडस्पीकर से प्रचार,विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं चौक-चौराहों पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए,उन्होंने राहगीर योजना एवं गुड सेमेरिटन योजना की जानकारी देते हुए कहा कि दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वालों को किसी प्रकार की कानूनी परेशानी नहीं होगी।

चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों का सम्मान

नेत्र परीक्षण शिविरों एवं दुर्घटना पीड़ितों के त्वरित उपचार में योगदान देने वाले डॉ. मधुरिमा पैकरा,गणेश गौतम,वीरेंद्र साहू, पुष्पेंद्र पटेल,काउंसलर लक्ष्मीनिया सिंह, अंजू कुशवाहा,बाबी राजवाड़े एवं कल्पना सिंह को सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाया आयोजन का गौरव-

नन्हे-मुन्ने बच्चों निशि,नयन,सौम्या,सुहानी,ओम एवं अंश द्वारा प्रस्तुत सड़क सुरक्षा आधारित नृत्य ने सभी का मन मोह लिया,इसके साथ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंदरपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर,ज्ञान कुंज विद्यालय बैकुंठपुर के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम में रही व्यापक उपस्थिति

समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक,थाना प्रभारी,यातायात पुलिस, शिक्षकगण, मीडिया प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे, कार्यक्रम का सफल संचालन यातायात हवलदार महेश मिश्रा द्वारा किया गया।

टीचर्स एसोसिएशन ने मांगी पूर्व सेवा गणना कर पेंशन निर्धारण की मांग...

प्रदेशभर में बृहद अभियान,सूरजपुर में सौंपा गया ज्ञापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन द्वारा एलबी संवर्ग के शिक्षकों की संविलियन पूर्व सेवा की गणना कर पेंशन निर्धारण की मांग को लेकर प्रदेशव्यापी अभियान तेज कर दिया गया है,इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के सभी विकासखंडों एवं जिला स्तर पर प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों की वर्षों पुरानी मांग को प्रमुखता से रखा गया, यह अभियान प्रांताध्यक्ष संजय शर्मा,प्रांतीय महामंत्री रंजय सिंह एवं प्रांतीय प्रचार सचिव अजय सिंह के निर्देशन तथा जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में सौंपे गए ज्ञापन

टीचर्स एसोसिएशन ने बताया कि इस आंदोलनात्मक अभियान के अंतर्गत सर्वप्रथम प्रदेश के सभी 146 विकासखंडों में तथा इसके पश्चात प्रदेश के सभी 33 जिलों में जिला स्तर पर ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, आगामी चरण में संगठन के पदाधिकारी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों,विधायकों एवं मंत्रियों से मुलाकात कर नियुक्ति तिथि से सेवा गणना की मांग को मजबूती से रखेंगे।

हाईकोर्ट के निर्णय का भी दिया गया हवाला

संगठन ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा भी इस विषय पर राज्य सरकार को नीति निर्माण के निर्देश दिए जा चुके हैं,इसके बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है,जिससे हजारों शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं।

जिले के विभिन्न विकासखंडों में ब्लॉक अध्यक्षों के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपे गए—

- **रामानुजनगर**–अध्यक्ष पीताम्बर सिंह मरावी
- **प्रतापपुर** - नागेन्द्र सिंह
- **ओड़गी** - बिनोद केराम
- **भैयाथान** - जितेंद्र सिंह
- **सूरजपुर** - चंद्रदेव चक्रधारी
- **प्रेमनगर** - रामबरन सिंह सभी स्थानों पर बड़ी संख्या में शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे और पेंशन में पूर्व सेवा गणना की मांग दोहराई।

कलेक्ट्रेट में सौंपा गया जिला स्तरीय ज्ञापन

जिला स्तर पर जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह के नेतृत्व में विभिन्न विकासखंडों से आए पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा को ज्ञापन सौंपा। संयुक्त कलेक्टर ने मांग को उचित माध्यम से शासन स्तर तक प्रेषित करने का आश्वासन दिया।

जिला शिक्षा अधिकारी से भी हुई मुलाकात : टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। साथ ही जिले में लंबित प्राथमिक शाला प्रधान पाठक पदोन्नति प्रक्रिया को समय-सारणी बनाकर शीघ्र पूर्ण करने की मांग रखी जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कुछ विकासखंडों से वरिष्ठता सूची में कार्य शेष है, जिसे पूर्ण कर त्रुटिरहित सूची तैयार कर शीघ्र पदोन्नति की जाएगी।

मुख्य मांग : संविलियन से पूर्व की सेवा अवधि की गणना,नियुक्ति तिथि से पेंशन निर्धारण,न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप शीघ्र नीति निर्माण टीचर्स एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि जब तक शिक्षकों की यह न्यायोचित मांग पूरी नहीं होती, तब तक यह अभियान प्रदेशभर में निरंतर जारी रहेगा।

सेवानिवृति के बाद शिक्षकों के सामने संकट...

प्रदेश महामंत्री रंजय सिंह ने कहा कि संविलियन से पूर्व की सेवा की गणना नहीं होने के कारण एलबी संवर्ग के अनेक शिक्षक बिना पेंशन के सेवानिवृत्त हो रहे हैं,उन्होंने कहा कि शिक्षक पूरी उम्र विद्यालय में उपस्थित रहकर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सेवा देते हैं, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद उनके सामने जीविकोपार्जन का गंभीर संकट खड़ा हो जाता है,यह अत्यंत पीड़ादायक स्थिति है,जिस पर शासन को संवेदनशीलता के साथ तत्काल निर्णय लेना चाहिए।

बड़ी संख्या में शिक्षक रहे उपस्थित

इस अवसर पर रंजय सिंह,भूपेश सिंह,रामचंद्र सोनी,चंद्रविजय सिंह,अनुज राजवाड़े,बिजेंद्र साहू,सुरविंद गुर्जर,घनश्याम सिंह,दीपक झा,मिथिलेश पाठक, पीताम्बर सिंह मरावी,नागेन्द्र सिंह,चंद्रदेव चक्रधारी,बिनोद केराम,जितेंद्र सिंह, रामबरन सिंह सहित जिले के सैकड़ों शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

CMYK

एमसीबी जिले में खाद्य अधिकारी की दबंगई से किसान त्रस्त

धान खरीदी के दिन गाड़ी सहित धान जब्त

50 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप

कलेक्टर दरबार पहुंचा पीड़ित किसान, न्याय की लगाई गुहार

-संवाददाता-
एमसीबी/जनकपुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के जनकपुर विकासखंड अंतर्गत किसानों को प्रताड़ित किए जाने का एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। धान खरीदी के अंतिम चरण में एक खाद्य अधिकारी द्वारा किसान को मानसिक, आर्थिक और प्रशासनिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। पीड़ित किसान ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत करते हुए कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है, मामला न केवल एक किसान की पीड़ा का है, बल्कि प्रदेश की धान खरीदी व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही और भ्रष्टाचार पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

चाकू के दम पर गाड़ी जब्त करने का सनसनीखेज आरोप

किसान ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब उसने विरोध किया तो खाद्य अधिकारी ने चाकू दिखाकर डराया,ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित धान को जबरन जब्त किया, गाड़ी को थाने ले जाने का आदेश दिया,यह पूरा घटनाक्रम खरीदी केंद्र परिसर में मौजूद लोगों के सामने घटित हुआ।

रास्ते में मांगी गई 50 हजार की रिश्वत

किसान के अनुसार थाने ले जाते समय रास्ते में खाद्य अधिकारी ने कहा 50 हजार रुपए दे दो,धान लेकर घर चले जाओ,किसान ने असमर्थता जताते हुए कहा कि उसके पास इतनी राशि नहीं है,उसके पास सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं, वह रिश्वत क्यों दे इस पर अधिकारी और भड़क गया।

पीड़ित किसान की पहचान

प्राप्त जानकारी एवं शिकायत पत्र के अनुसार पीड़ित किसान का नाम प्रदीप यादव है,जो जनकपुर ब्लॉक का निवासी है, किसान शासन द्वारा संचालित धान उपार्जन प्रणाली में विधिवत पंजीकृत है और वर्षों से समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करता आ रहा है।

धान खरीदी की सभी प्रक्रियाओं का किया गया पालन

किसान ने बताया कि राज्य में धान खरीदी की अंतिम तिथि 30 जनवरी 2026 निर्धारित थी, किसान ने नियमानुसार टोकन कटवाया, टोकन कटने के बाद विभागीय अधिकारियों द्वारा उसके घर जाकर धान का भौतिक सत्यापन किया गया,भौतिक सत्यापन का उद्देश्य यह जांचना होता है कि धान वास्तव में किसान के पास मौजूद है या नहीं, कहीं वह दूसरे राज्य या अन्य स्रोत से लाकर अवैध रूप से न बेचा जा रहा हो, सत्यापन के दौरान अधिकारी ने धान को वैध पाया और लिखित सत्यापन रसीद भी किसान को सौंपी गई।

कोटाडोल थाने में खड़ी कराई गई धान से भरी गाड़ी

रिश्वत न देने पर खाद्य अधिकारी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कोटाडोल थाना परिसर में खड़ा करा दिया,इसके बाद किसान कई दिनों तक थाने और अधिकारियों के चक्कर काटता रहा, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

तहसीलदार और एसडीएम से भी नहीं मिला सहयोग

पीड़ित किसान ने मामले की जानकारी तहसीलदार,एसडीएम को भी दी, लेकिन किसान का आरोप है कि उसे वहां से भी कोई ठोस सहायता नहीं मिली।

29 जनवरी को कलेक्टर कार्यालय पहुंचा किसान

आखिरकार 29 जनवरी 2026 को थका-हारा किसान एमसीबी जिला कलेक्ट्रेट पहुंचा और कलेक्टर को अपनी आपबीती सुनाई, किसान ने बताया कि 30 जनवरी के बाद धान खरीदी बंद हो जाएगी,मेरा धान अब सरकारी केंद्र में नहीं बिक पाएगा।

लाखों रुपये के नुकसान की आशंका...

किसान के अनुसार सरकार का समर्थन मूल्य-3100 प्रति क्विंटल, बाजार में बिचौलियों का भाव:1800-1900 प्रति क्विंटल,यदि धान सहकारी समिति में नहीं बिक पाया तो किसान को लाखों रुपये का सीधा आर्थिक नुकसान होगा।

किसान का सवाल – दोषी कौन?

किसान ने कलेक्टर से कहा साहब, मैंने मेहनत से खेती की, नियमों का पालन किया, फिर भी मुझे अपराधी बना दिया गया, मेरे नुकसान की भरपाई कौन करेगा? किसान ने मांग की कि संबंधित खाद्य अधिकारी पर सख्त कार्रवाई हो, हुए नुकसान की भरपाई उसी अधिकारी से कराई जाए ताकि भविष्य में किसानों को ऐसी प्रताड़ना से बचाया जाए।

अब प्रशासन की अग्निपरीक्षा

यह मामला अब केवल एक किसान का नहीं, बल्कि धान खरीदी प्रणाली, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, किसानों की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा सवाल बन चुका है,अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या जिला प्रशासन निष्पक्ष जांच करेगा? क्या किसान को समय रहते न्याय मिलेगा? या फिर सिस्टम के आगे उसकी मेहनत हार जाएगी? पूरा जिला अब कलेक्टर के निर्णय की ओर टकटकी लगाए बैठा है।

23 जनवरी को शुरू हुई परेशानी

किसान के अनुसार दिनांक 23 जनवरी 2026 को वह ट्रैक्टर-ट्रॉली में धान भरकर निर्धारित धान खरीदी केंद्र पहुंचा,जैसे ही उसकी गाड़ी केंद्र परिसर के भीतर दाखिल हुई,तभी एक खाद्य अधिकारी वहां पहुंचा, किसान का आरोप है कि अधिकारी नशे की हालत में था,बिना कागजात देखे उसने कहा कि धान अवैध है,किसान द्वारा सभी दस्तावेज दिखाने के बावजूद अधिकारी ने सुनने से इंकार कर दिया।

तुम्हारे कागज मेरे काम के नहीं...किसान का आरोप

पीड़ित किसान के अनुसार जब उसने टोकन, भौतिक सत्यापन पर्ची और अन्य वैध दस्तावेज दिखाए,तो खाद्य अधिकारी ने कहा तुम्हारे कागज मेरे किसी काम के नहीं हैं,यह धान जब्त किया जाएगा, किसान का कहना है कि अधिकारी ने नियमों को ताक पर रखकर अपने पद का दुरुपयोग किया।

'सजग कोरबा, सतर्क कोरबा' अभियान के तहत कोरबा पुलिस की सघन एवं ताबड़तोड़ कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने एवं अवैध गतिविधियों पर सख्त अंकुश लगाने के उद्देश्य से सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को स्कूल एवं कॉलेजों के आसपास विशेष पेट्रोलिंग एवं सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के पालन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में स्कूल एवं कॉलेजों से छुट्टी के समय विशेष पेट्रोलिंग की गई। इसी क्रम में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आस्था शर्मा के नेतृत्व में थाना सिविल लाइन रामपुर क्षेत्र अंतर्गत विद्यालयों एवं महा विद्यालयों के आसपास अड्डेबाजी, अनुशासनहीनता एवं नियमों के उल्लंघन की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखते हुए समझाइश दी गई तथा आदतन रूप से इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की गई, जिससे शैक्षणिक वातावरण को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाया जा सके। अभियान के दौरान थाना सिविल लाइन रामपुर क्षेत्र अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए कोटपा एक्ट के तहत कुल 06 प्रकरणों में कार्यवाही की गई। साथ ही मोटर व्हीकल एक्ट (एम.वी. एक्ट) के तहत 02 प्रकरणों में चालानी कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त ब्लू बर्ड स्कूल के समीप तंबाकूजन्य सामग्री का विक्रय करते पाए जाने से एक ठेले को बंद कराया गया। उक्त कार्रवाई विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने तथा स्कूल परिसर के आसपास सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई।

जनपद पंचायत खड़गवां में शिकायत जांच में देरी,अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खड़गवां में कथित फर्जीवाड़े और भ्रष्टाचार को लेकर लगातार गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि यहां शिकायतों की जांच में जानबूझकर देरी की जा रही है, जिससे संबंधित प्रकरणों में लीपापोती कर दोषियों को बचाया जा सके। शिकायतकर्ता महीनों तक अपनी शिकायत की जांच का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन कार्यवाही आगे नहीं बढ़ती।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि जनपद पंचायत में नवपदस्थ अधिकारियों की पदस्थापना के बाद भ्रष्टाचार को और बढ़ावा मिला है। शिकायतें आने के बावजूद उन पर समयबद्ध और निष्पक्ष कार्यवाही नहीं की जा रही। इससे यह संदेह गहराता जा रहा है कि शिकायत जांच में देरी अधिकारियों की सहमति से की जा रही है, ताकि जिनकी जांच होनी है उन्हें दस्तावेज दुरुस्त करने और अपने पक्ष में माहौल बनाने का पूरा मौका मिल सके।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत सिंघत में सांसद मद से स्वीकृत कम्प्यूटर भवन निर्माण को लेकर गंभीर शिकायत सामने आई है। सिंघत निवासी बंशीलाल सिंह ने छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री को शिकायत करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत सिंघत निवासी शिव चंदर सिंह द्वारा कम्प्यूटर भवन निर्माण कार्य स्व मेहीलाल के पट्टे की भूमि, खसरा नंबर 28 पर कराया जा रहा था, जो नियमों के विपरीत है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया कि कार्य स्वीकृति के समय जिन दस्तावेजों और खसरा नंबर को दर्शाया गया था, उस स्थल पर निर्माण कार्य नहीं किया गया।शिकायत के बाद कम्प्यूटर भवन निर्माण कार्य पर रोक भी लगाई गई थी और जनपद पंचायत खड़गवां द्वारा ग्राम पंचायत सिंघत को नोटिस जारी किया गया था। बताया गया कि जनपद पंचायत में बी-वन नक्शा जिस स्थल के लिए जमा किया गया था,वहां निर्माण नहीं कर दूसरे खसरा नंबर और नक्शे पर भवन निर्माण कराया गया। मामला धीरे-धीरे शांत होने के बाद आरोप है कि जनपद पंचायत खड़गवां में पदस्थ अधिकारी और लिपिकों ने अपनी जिम्मेदारी से बचते हुए शिकायत की जांच में लीपापोती कर मामले का निराकरण कर दिया। सूत्रों के अनुसार, जनपद पंचायत में वर्षों से पदस्थ कुछ लिपिक ही शिकायतें दर्ज कराने और उन्हीं शिकायतों के लेन-देन के जरिए सरपंचों को बचाने का काम करते हैं। सांसद मद योजना का संचालन करने वाले लिपिक के खिलाफ पूर्व में भी कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं, लेकिन अधिकारियों के संरक्षण के चलते उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यहां एक कहावत सटीक बैठती नजर आती है कि सांईया भाए कोतवाल तो डर काहे का। आरोप है कि जनपद पंचायत खड़गवां में निर्माण कार्य कराने वालों की सुविधा का ज्यादा ध्यान रखा जाता है, जबकि गरीब किसान और आम नागरिक परेशान होते रहते हैं। सूत्रों की मानें तो ग्राम पंचायत सिंघत में पहले भी कई बड़े घोटाले हो चुके हैं, जिनकी जांच जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा कराई गई, लेकिन कार्यवाही के नाम पर या तो कुछ नहीं हुआ या फिर आपसी लेन-देन में मामला निपट गया। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या इस बार शिकायतकर्ता गरीब को जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ से न्याय मिल पाएगा या फिर यह शिकायत भी फाइलों और रद्दी की टोकरी में ही दफन हो जाएगी।

कार्यालय मुख्य अभियंता,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर परिक्षेत्र रायपुर,छ0ग0

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से प्रपत्र ए में प्रतिशत दर पर निम्नानुसार 08 समूह जल प्रदाय योजनाओं के कार्य हेतु Risk and cost पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती

क	निविदा आमंत्रण कं / दिनांक / सिस्टम नं.	जिला	समूह जल प्रदाय योजनाओं का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3	4	5
01	327/29-01-2026 184601	एम.सी.बी.	बरदर	3124.96
02	328/29-01-2026 184603	एम.सी.बी.	घुटरा	1960.41
03	329/29-01-2026 184604	कोरिया	नरकेली	1676.85
04	330/29-01-2026 184605	कोरिया	तामडांड	3422.04
05	331/29-01-2026 184607	कोरिया	कटघोड़ी	2771.79
06	332/29-01-2026 184608	सूरजपुर	रूनियाडीह	2464.98
07	333/29-01-2026 184609	सूरजपुर	दुग्गा - बतरा	2067.90
08	8 334/29-01-2026 184610	सूरजपुर	झिलमिली	5024.48

Important Events and Time Schedule Bid Start Date 31-01-2026, Pre Bid meeting date 09-02-2026, Bid Due Date- 23-02-2026, PHY Doc. Submission last Date 25-02-2026, PQ Document Download Date 26-02-2026.

नोट - 1. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तो, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में उक्त निविदा दिनांक 30.01.2026 से देखी जा सकती है। 2. विभाग द्वारा कालीसूची में डाले गये ठेकेदार भाग नहीं लेंगे।

कार्यपालन अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ)
कार्यालय मुख्य अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, रायपुर परिक्षेत्र रायपुर (छ0ग0)

जी नंबर-252606380/6

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/....../अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका पुष्पा सोनी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद सोनी उम्र लगभग 61 वर्ष जाति सोनार निवासी देवीगंज वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -2 मोहल्ला खुटेनपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 358, 359, 360/1 रकबा क्रमशः 0.01, 0.01, 0.001/4 एकड़ भूमि को अनावेदक / केता श्रीमती कविता कुमार गुप्ता पत्नी रघुवंश प्रसाद गुप्ता उम्र लगभग 34 वर्ष जाति तेली निवासी ग्राम कमलापुर तहसील कुसमी जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 15/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेसिया सिंह पत्नी इन्द्रबहादुर सिंह जाति क्षत्रिय निवासी भिट्ठीकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम भिट्ठीकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 774 रकबा 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 09/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202511020700090

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

केशवपुर प.ह.न. 00024 [342/6 (0.13600)] पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार सतेन्द्र कुमार,
अनावेदक पक्षकार - संजीव कुमार,

ईश्तहार

आवेदक सतेन्द कुमार पिता प्रभात कुमार निवासी ग्राम कुम्दा कॉलोनी गोविन्दपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम केशवपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 342/6 रकबा 0.136 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 15.10.2025 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/11/2025 को जारी किया जाता है।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03 जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0- 202601022900017 /ब-121 / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोज कश्यप आ0 स्व0 रामनरेश कश्यप एवं अन्य 04 निवासी संगम चौक अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम मायापुर, तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 349/3 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक इसरार अहमद खान आ0 मोहम्मद ऐनुल हक खान, निवासी मकान नं0 72, फामिता हाउस, महामाया मार्ग, समलाया मंदिर के पास, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 बिक्री करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 19.02.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 28/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर- 03

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप,बोले...'गरीब-किसान के हक पर डाका डाल रही सरकार'

सोनहत में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

मनरेगा और धान खरीदी को लेकर चक्काजाम

-संवाददाता-
सोनहत,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सोनहत द्वारा 'मनरेगा बचाव संग्राम' के तहत विशाल धरना-प्रदर्शन एवं आमसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, किसान एवं ग्रामीणजन शामिल हुए,धरना स्थल पर कांग्रेसजनों ने सर्वप्रथम महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सत्य,अहिंसा व सामाजिक न्याय के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इसके पश्चात केंद्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

मनरेगा बचाने और किसानों के हक में चक्काजाम...

कार्यक्रम का मुख्य फोकस किसानों और मजदूरों की समस्याएं रहीं, धान खरीदी की समय-सीमा बढ़ाने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोनहत के मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा,कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कई किसान तकनीकी त्रुटियों, मौसम की अनिश्चितता,ऑनलाइन पंजीयन व टोकन समस्या के कारण अपना धान नहीं बेच पाए हैं,ऐसे में धान खरीदी की अंतिम तिथि बढ़ाना किसानों के हित में अत्यंत आवश्यक है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो का सरकार पर तीखा हमला...

आमसभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक भरतपुर-सोनहत गुलाब कमरो ने सरकार पर जमकर हमला बोला, उन्होंने कहा आज महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर हम यह संकल्प लेते हैं कि गरीबों के हक की योजना मनरेगा को खत्म नहीं होने देंगे। सरकार मजदूरों का बजट काट रही है और अन्नदाता किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। जब तक हर किसान का दाना-दाना नहीं खरीदा जाता और मनरेगा मजदूरों को उनका अधिकार नहीं मिलता, कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक जनता की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ेगी।

बढ़ते बिजली बिलों पर सरकार को घेरा...

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने बढ़ते बिजली बिलों को लेकर भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा जो सरकार बिजली बिल आधा करने का वादा कर सत्ता में आई थी, वही सरकार आज जनता को करंट दे रही है, गरीब परिवारों और किसानों के घरों में हजारों रुपये के बिजली बिल भेजे जा रहे हैं, यह सीधा जनता पर अत्याचार है, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिजली दरों की विसंगतियां नहीं सुधारी गई तो कांग्रेस आंदोलन को और व्यापक करेगी।

दमनात्मक कार्रवाई हुई तो ईंट से ईंट बजा देंगे...

अपने भाषण के अंत में गुलाब कमरो ने प्रशासन और सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा यदि सत्ता के नशे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर दमनात्मक कार्रवाई की गई,तो हम डरने वाले नहीं हैं। हम न झुके हैं,न झुकेंगे, कार्यकर्ताओं की ओर उठने वाली हर गलत आंख का जवाब देना हमें अच्छे से आता है।

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

धरना, आमसभा एवं चक्काजाम के पश्चात पूर्व विधायक गुलाब कमरो के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मौके पर पहुंचे तहसीलदार सोनहत को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा,ज्ञापन में मनरेगा बजट में कटौती बंद करने,धान खरीदी की तिथि बढ़ाने, रकबा समर्पण समाप्त करने, बिजली बिलों में राहत,रसोइया बहनों के मानदेय में वृद्धि जैसी प्रमुख मांगें शामिल रहीं।

66 रुपये में कैसे जिएंगी रसोइया बहनें?

मध्याह्न भोजन रसोइयों की समस्याओं को उठाते हुए कमरो ने कहा बच्चों का पेट भरने वाली रसोइया बहनें आज खुद भूखी हैं,66 रुपये प्रतिदिन मानदेय में परिवार चलाना असंभव है,रायपुर में ठंड में आंदोलन कर रही रसोइया बहनों की सुध लेने वाला कोई नहीं है,कांग्रेस ने मांग की कि रसोइया बहनों को कलेक्टर दर पर मानदेय दिया जाए।

कांग्रेस का ऐलान...

कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में कहा कि जब तक गरीब, किसान और मजदूर को उसका हक नहीं मिलेगा, तब तक कांग्रेस का संघर्ष सड़क से सदन तक जारी रहेगा।

भरतपुर में थम गया विकास का पहिया...

अपने संबोधन में क्षेत्रीय उपेक्षा का मुद्दा उठाते हुए कमरो ने कहा बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि भरतपुर क्षेत्र में विकास पूरी तरह ठप हो चुका है, हमारे कार्यकाल में जिस गति से सड़कें, पुल-पुलिया और विकास कार्य हुए थे, आज वह रफ्तार पूरी तरह रुक गई है। जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है।

रकबा समर्पण किसानों के साथ बड़ा अन्याय...

धान खरीदी में रकबा समर्पण को लेकर पूर्व विधायक ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा सरकार किसानों का धान न खरीदने के लिए रकबा समर्पण का खेल खेल रही है, किसानों से जबरन रकबा कटौती कराना बहुत बड़ा अन्याय है। किसान अपना हक मांग रहा है, भीख नहीं।

जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की बड़ी जिम्मेदारी

प्रदेश संगठन ने प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में किया चयन,जिले में हर्ष का माहौल

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,31 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

पूर्व भारतीय जनता पार्टी संगठन ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों को तेज करते हुए छत्तीसगढ़ के अनुभवी भाजपा नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, प्रदेश संगठन द्वारा उन्हें पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में नियुक्त किया गया है,यह दायित्व मिलने के बाद जिलेभर के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिल रहा है।

लंबा संगठनात्मक अनुभव बना चयन का आधार...

गौरतलब है कि श्री कृष्णबिहारी जायसवाल भारतीय जनता पार्टी में लंबे समय से विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। संगठनात्मक कार्यों में उनकी मजबूत पकड़,चुनाव प्रबंधन की समझ और जमीनी स्तर पर कार्य करने का व्यापक अनुभव ही उनके चयन का मुख्य आधार माना जा रहा है, उनके कार्यकाल के दौरान पार्टी संगठन को मजबूती मिली,स्थानीय निकाय चुनावों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई, विधानसभा चुनाव में भी पार्टी का प्रदर्शन सशक्त रहा, जिसके चलते संगठन ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है।

चुनाव संचालन का व्यापक अनुभव

पार्टी सूत्रों के अनुसार, श्री जायसवाल को चुनाव संचालन, बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता समन्वय एवं रणनीतिक योजना निर्माण का अच्छा अनुभव है, यही कारण है कि पश्चिम बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण राज्य में उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है,पार्टी नेतृत्व का मानना है कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में उन्हें कार्य सौंपा जाएगा,वहां भाजपा संगठन को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी और चुनावी परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने दी शुभकामनाएं

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने कृष्णबिहारी जायसवाल को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल को प्रदेश संगठन द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए चयनित किया जाना हमारे जिले के लिए गौरव का विषय है। उनके अनुभव का लाभ निश्चित रूप से पार्टी को मिलेगा,उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी पूरे जिले के कार्यकर्ताओं के सम्मान का प्रतीक है।

जिलेभर के कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी

श्री जायसवाल को प्रवासी के रूप में पश्चिम बंगाल भेजे जाने की सूचना मिलते ही भाजपा पदाधिकारियों,मंडल कार्यकर्ताओं,वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन्हें बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की गई,कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व और अनुभव से पार्टी को पश्चिम बंगाल चुनाव में नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

जिले के लिए गौरव का विषय

कृष्णबिहारी जायसवाल का चयन न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह कोरिया जिले की संगठनात्मक क्षमता और नेतृत्व पर प्रदेश संगठन के भरोसे को भी दर्शाता है,पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह जिम्मेदारी जिले के अन्य कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणा बनेगी।

राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि पर शराब दुकान खुली रहना भाजपा की निकृष्ट सोच का प्रमाण : कांग्रेस

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के नेतृत्व में गांधी चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके सत्य, अहिंसा,सद्भाव और नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया, श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि जैसे पावन दिवस पर शहर में शराब दुकान संचालित किए जाने का कड़ा विरोध किया। कांग्रेसजनों ने शांतिपूर्ण एवं सांकेतिक रूप से शराब दुकान के सामने बैठकर रघुपति राघव राजा राम भजन गाया और भाजपा सरकार को सद्बुद्धि देने की कामना की।

गांधी जी के अपमान को कांग्रेस नहीं सहेगी...

कांग्रेस पार्षद स्वप्निल सिन्हा एवं अजय जायसवाल ने कहा कि गांधी जी के आदर्शों का अपमान कांग्रेस किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। वहीं पार्षद इमरान खान एवं मुकेश अग्रवाल ने कहा कि सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि पर शराब दुकान का संचालन देश की आत्मा को ठेस पहुंचाने वाला है, सरकार को तुरंत ऐसे निर्णयों पर रोक लगानी चाहिए।

बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता रहे उपस्थित

इस अवसर पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो, ब्लॉक अध्यक्ष सौरव मिश्रा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार केसरवानी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल, पार्षद अनिल प्रजापति, कृतिका रवि जैन, मुकेश अग्रवाल, इमरान खान, अजय जायसवाल, भावेश जैन, अरुण कटारे, अमित पूरी, अशोक गुप्ता, विक्की दत्ता, आशीष राय, निर्मला चतुर्वेदी, गीतिका चंदेल, नीलिमा सलेम, कासिम अंसारी, बलवीर सिंह, गोपाल गुप्ता, अवधेश अग्रवाल सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई एवं कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, सभी ने एक स्वर में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा और कांग्रेस पार्टी सत्य, अहिंसा, सद्भाव और सामाजिक न्याय के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ती रहेगी।

गांधी जी केवल व्यक्ति नहीं, एक विचारधारा हैं : गुलाब कमरो

इस अवसर पर उपस्थित पूर्व विधायक भरतपुर-सोनहत गुलाब कमरो ने कहा...महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उनकी पुण्यतिथि जैसे पवित्र अवसर पर शराब दुकान खुला रहना अत्यंत निंदनीय है। यह भाजपा सरकार की असंवेदनशील और जनभावनाओं से दूर सोच को दर्शाता है। यह राष्ट्रपिता के आदर्शों का सीधा अपमान है। उन्होंने कहा कि गांधी जी का जीवन नशामुक्त समाज, नैतिकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक रहा है,लेकिन वर्तमान सरकार उनके मूल्यों के ठीक विपरीत कार्य कर रही है।

भाजपा का नैतिक दिवालियापन उजागर:सौरव मिश्रा

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने कहा कांग्रेस पार्टी सदैव गांधी जी के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलती आई है, राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि पर शराब दुकान का संचालन भाजपा सरकार के नैतिक दिवालियापन को उजागर करता है,कांग्रेस ऐसे जनविरोधी और असंवेदनशील निर्णयों का लोकतांत्रिक व शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करती रहेगी।

सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों का अपमान-प्रभा पटेल

नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल ने कहा महात्मा गांधी के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं,ऐसे पवित्र दिवस पर शराब दुकान चलाना सामाजिक,सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का अपमान है,जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भाजपा को केवल राजस्व की चिंता : राजकुमार केसरवानी

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार केसरवानी ने कहा भाजपा सरकार को केवल राजस्व की चिंता है,समाज की भावनाओं,संस्कृति और परंपराओं से उसका कोई सरोकार नहीं रह गया है। राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि पर शराब दुकान खोलना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

नशामुक्त समाज के विरोध में भाजपा:पूनम सिंह

महिला कांग्रेस नेत्री पूनम सिंह ने कहा महात्मा गांधी नशामुक्त समाज के प्रबल समर्थक थे, जबकि भाजपा सरकार नशे को बढ़ावा देकर महिलाओं, परिवारों और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है, कांग्रेस महिलाओं की आवाज बनकर ऐसे फैसलों का विरोध करती रहेगी।

बुधवारी बाजार में जिले की संयुक्त टीम द्वारा 05 दुकानों में चलानी की कार्यवाही कर वसूले 1750 रूपये

-संवाददाता-
कोरबा,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

नार्को कोआर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की बैठक में कलेक्टर द्वारा दिए गए आदेशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशासानुसार जिले की संयुक्त टीम जिसमें पुलिस विभाग से डीएसपी प्रतिभा मरकाम, रामपुर थाना से 2 आरक्षक, नगर निगम से मनहरण नेताम, शिक्षा विभाग से एचआर.मिरेन्द्र,श्रम विभाग से श्रम निरीक्षक श्रीमती सरस्वती बंजारे,खाद्य एवं औषधि विभाग से औषधि निरीक्षक सुनील कुमार साण्डे एवं स्वास्थ्य विभाग से जिला सलाहकार (एनटीसीपी) डॉ.मानसी जायसवाल, सोसल वर्कर संतोष कुमार केवट के द्वारा बुधवारी बाजार सरस्वती शिशुमंदिर के 100 गज के दायरे में आने वाली तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानों में धारा 04 और धारा 6(अ) 6(ब) का उलंघन किए जाने पर 05 दुकानों में चालानी की कार्यवाही की गई। जिसमें रूपये 1750/- जुर्माना वसूला गया और आईसी पाम्पलेट बांटते हुए उपस्थित लोगों को कोटपा अधिनियम 2003 के बारे में जानकारी देते हुए तम्बाकू सेवन से होने वाले दूष्प्रभावों के बारे में बताया गया, साथ ही सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानों में घारा 6 (अ) का पोस्टर चस्पा किया गया।

सूरजपुर के लिए गर्व का क्षण राजेश जायसवाल के पुत्र-पुत्री बने विशेषज्ञ चिकित्सक

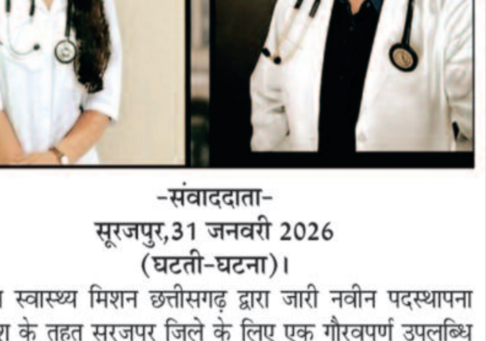

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ द्वारा जारी नवीन पदस्थापना आदेश के तहत सूरजपुर जिले के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है, शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं राजेश मेडिकल स्टोर के संचालक राजेश जायसवाल के दोनों पुत्र-पुत्री का चयन विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में हुआ है,जारी आदेश के अनुसार डॉ. सचिन जायसवाल को एम.डी. मेडिसिन (फिजिशियन विशेषज्ञ) के रूप में जिला अस्पताल सूरजपुर में पदस्थापित किया गया है,वहीं डॉ. सुरभि जायसवाल को नेत्र रोग विशेषज्ञ (ऑफ्थाल्मो लॉजिस्ट) के रूप मे जिला अस्पताल सूरजपुर में सेवाएं देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एक ही परिवार से दो विशेषज्ञ चिकित्सक-जिले के लिए गौरव...

चिकित्सा क्षेत्र में एक ही परिवार के दो युवाओं का विशेषज्ञ पद पर चयन होना न केवल जायसवाल परिवार बल्कि पूरे सूरजपुर जिले के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है। यह उपलब्धि वर्षों की कड़ी मेहनत,निरंतर अध्ययन,अनुशासन और पारिवारिक संस्कारों का प्रतिफल बताई जा रही है,स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ऐसे उदाहरण युवा पीढ़ी को शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई मजबूती...

जिला अस्पताल सूरजपुर में मेडिसिन एवं नेत्र रोग जैसे महत्वपूर्ण विभागों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना से गंभीर रोगियों के उपचार में सुविधा, रेफरल मामलों में कमी, आम नागरिकों को जिले में ही उच्च स्तरीय उपचार की संभावनाएं बढ़ेंगी,विशेष रूप से नेत्र रोग और आंतरिक चिकित्सा जैसी सेवाओं में विशेषज्ञ उपलब्ध होने से ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों के मरीजों को बड़ा लाभ मिलेगा।

बधाईयों का लगा तांता

इस उपलब्धि पर जिले के जनप्रतिनिधियों,वरिष्ठ चिकित्सकों,सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों ने राजेश जायसवाल एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं,सभी ने आशा व्यक्त की कि दोनों चिकित्सक पूरी निष्ठा,संवेदनशीलता और समर्पण भाव से जनसेवा करते हुए जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देंगे।

जनसेवा को समर्पित नई शुरुआत

डॉ. सचिन जायसवाल और डॉ. सुरभि जायसवाल की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और परिश्रम निरंतर हो,तो सफलता अवश्य मिलती है, जिले को अब उनसे बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और मानवीय चिकित्सा की उम्मीद है।

साजिद नाडियाडवाला की वजह से 4 साल तक कोई फिल्म साइन नहीं कर पाए अहान शेट्टी?

अहान शेट्टी की फिल्म बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी है। अपनी पहली फिल्म तड़प के बाद अहान शेट्टी ने कोई फिल्म साइन नहीं की। इसके बाद ऐसा लगा जैसे मानो एक्टर के करियर पर ही फुल स्टॉप लग गया हो। लेकिन अब बॉर्डर 2 की सफलता के बाद अहान ने इसके पीछे की असली वजह बताई है। अहान शेट्टी की फिल्म बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। इस फिल्म में अहान ने लेफ्टिनेंट कमांडर महेंद्र सिंह रावत का किरदार निभाया है, जो भारतीय नौसेना के 14वें फ्रिगेट स्क्वाड्रन के अधिकारी हैं।
अहान ने साल 2021 में तारा सुतारिया के साथ तड़प मूवी से डेब्यू किया था।
इसके बाद अहान किसी अन्य फिल्म में नजर नहीं आए और अपने करियर में उन्होंने काफी उतार-चढ़ाव भी देखे। 23 जनवरी को बॉर्डर 2 की रिलीज के बाद उनकी किस्मत बदल गई। एक्टर के किरदार की भी काफी तारीफ हुई।

अहान के पास नहीं बचा था कोई ऑप्शन

ऐसे में सवाल ये उठ रहा है कि अहान को एक और फिल्म साइन करने में इतने साल क्यों लग गए। इस पर बात करते हुए अहान शेट्टी ने बताया कि वे नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के साथ एक कॉन्ट्रेक्ट में बंधे हुए थे, जिसके कारण उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा था।

अहान को ठुकराने पड़े कई ऑफर

अहान शेट्टी ने बातचीत में बताया कि 23 जनवरी ने उनकी लाइफ को पूरी तरह से बदल दिया है। उनकी पहली फिल्म तड़प थी,जो फ्लॉप रही थी। इसके बारे में वह बोले, तड़प ने 40 करोड़ रुपये कमाए थे, जब फिल्में 10 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पा रही थीं। लोगों ने कहा कि ये फिल्म ने कमाई के मामले में बहुत खराब परफॉर्म किया है। लेकिन हमने प्रॉफिट कमाया। उसके बाद हालात मुश्किल हो गए। उस दौरान मेरा कॉन्फिडेंस बहुत कम हो गया था। मेरा नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के साथ एक कॉन्ट्रेक्ट था, इसलिए मुझे चार साल तक कोई और फिल्म साइन करने की अनुमति नहीं थी। मुझे कई ऑफर मिले, लेकिन मैं कॉन्ट्रेक्ट नहीं तोड़ सकता था।

कितना था तड़प का कलेक्शन?

बता दें कि 2021 में आई तड़प ने बॉक्स ऑफिस पर भारत में 26.91 करोड़ रुपये का भारत में नेट और 32.04 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था। इसके अलावा, वर्ल्डवाइड 34.86 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म अभी ओटीटी पर मौजूद है और आप इसे जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं। इसके डायरेक्टर मिलन लूथरिया थे।

मुंह में गुलाब दबाकर... सलमान खान ने की थी नाराज कटरीना कैफ को मनाने की कोशिश

सलमान खान और कटरीना कैफ के ब्रेकअप के बाद भी उनके बीच अच्छे संबंध हैं। रेस्टोरेंट मालिक एडी सिंह ने दोनों की डेटिंग लाइफ के दौरान का एक प्यारा किस्सा शेयर किया। तब सलमान ने अपनी गर्लफ्रेंड कटरीना को मनाने के लिए मुंह में गुलाब रखकर डांस किया था। सलमान खान और कटरीना कैफ के रिश्ते के बारे में सभी जानते हैं। चार साल तक दोनों रिलेशन में रहे और 2009 में वे अलग हो गए। अलग होने के बावजूद, दोनों के बीच एक प्यारा रिश्ता है और ब्रेकअप के बाद उन्होंने कई फिल्मों में साथ काम किया।अब, ऑलिव बार एंड किचन के संस्थापक और रेस्टोरेंट मालिक एडी सिंह सलमान खान और कटरीना कैफ के रिश्ते के बारे में एक इतनी क्यूट बात बोली कि हर कोई उस पर दिल हार बैठेगा। एडी ने वो मोमेंट शेयर किया जब सलमान खान उस समय अपनी तब रही गर्लफ्रेंड कटरीना को मनाने का प्रयास कर रहे थे।

एक ही बार में थे सलमान-कटरीना

आउटलुक ट्रैवलर से बातचीत में एडी सिंह ने बताया कि

कैसे सलमान और कटरीना का रोमांस उनके रेस्टोरेंट ऑलिव के शुरुआती दिनों में परवान चढ़ा। उन्होंने एक रात का जिक्र किया जब कटरीना अपने दोस्तों के साथ आईं और बाहर मेन टेबल पर बैठ गईं। वहीं सलमान अपने भाई अरबाज खान और सोहेल खान के साथ बार में बैठकर शराब पी रहे थे, उस समय एक्टर का किसी वजह से कटरीना से झगड़ा चल रहा था।

मुस्कुराने लगी थी कटरीना कैफ

मौके को देखते हुए सलमान ने अपने मुंह में गुलाब रखा और कटरीना की टेबल की तरफ बढ़े और हल्का सा डांस किया। उन्होंने बाथरूम की ओर जाते हुए भी ऐसा किया और फिर वापस आए। जाहिर सी बात है कटरीना भी ये सब देखकर खुद को मुस्कुरान से नहीं रोक पाई और हंसने लगीं। ऐसा लगा जैसे उनके बीच झगड़ा खत्म हो गया। ये पल दोनों के रिलेशनशिप का बेहतरीन पल था।

रणबीर कपूर को भी किया है डेट

दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया। इसमें भारत, टाइगर 3, एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, युवराज, हैलो, पार्टनर और मैंने प्यार क्यों किया शामिल हैं। सलमान से ब्रेकअप के बाद कटरीना ने रणबीर कपूर को कई सालों तक डेट किया, लेकिन वो रिश्ता भी टूट गया। अब कटरीना की शादी विक्की कौशल से हुई है। दिसंबर 2021 में राजस्थान के सिक्स सेंसेस फोर्ट बरवारा में दोनों ने शादी कर ली थी।

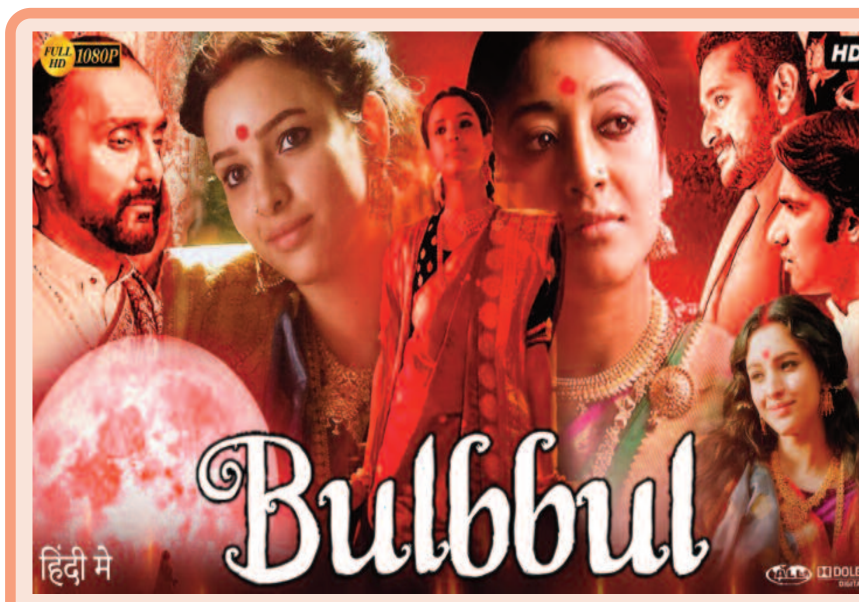

1 घंटे 34 मिनट की हॉरर मिस्ट्रीरात को नहीं आने देगी नींद

आईएमडीबी पर मिली है धांसू रेटिंग

कोई अच्छी हॉरर मिस्ट्री देखना चाहते हैं और वो भी बॉलीवड तो हम आपके लिए इस जॉनर की एक जबरदस्त फिल्म लेकर आए हैं। जिसकी कहानी से आप इस तरह बंध जाएंगे कि बीच में उठने का मन नहीं करेगा। अच्छी बात ये है कि यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।
हॉरर मिस्ट्री फिल्म का एक ऐसा जॉनर है जो डराता तो है लेकिन एक्साइटिंग भी लगता है और एक सच्चा मूवी लवर इस बात से इनकार नहीं कर सकता। इस जॉनर को जरुरत होती है एक अच्छी कहानी की जो दर्शकों को बांधे रखे।

रात को सोने नहीं देगी ये फिल्म

एक ऐसी ही फिल्म के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं जिसकी कहानी जबरदस्त है, डर ऐसा कि आपको रात को नींद ना आने दे और टॉपिक ऐसा जो आपके दिमाग को सोचने पर मजबूर कर दे। बोनस पॉइंट ये है कि कलाकारों की एक्टिंग भी शानदार है जो इस कहानी के साथ पूरी तरह न्याय करते हैं।

खौफनाक है इसकी कहानी

हॉरर मिस्ट्री 19वीं सदी के बंगाल में सेट एक सुपरनैचुरल फेमिनिस्ट कहानी है, जो कि एक नाबालिग दुल्हन की कहानी है। जिसकी शादी एक अमीर परिवार में होती है और उसे अत्याचार सहना पड़ता है। लेकिन एक रात उसके साथ एक खौफनाक हादसा हो जाता है और वह एक रहस्यमयी जंगल की देवी (चुड़ैल) में बदल जाती है जो दूसरी पीड़ित महिलाओं की रक्षा करती है।
धीरे-धीरे गांव में पुरुष रहस्यमय तरीके से मरने लगते हैं। यह कहानी तब सामने आती है जब उसका देवर, सत्य, हत्याओं और उसके दुखद अतीत के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए लौटता है। यह पितृसत्तात्मक उत्पीड़न के कारण खोई हुई मासूमियत की कहानी है, जहां एक चंचल लड़की से एक शक्तिशाली, बदला लेने वाली शख्सियत में बदलना पारंपरिक भूमिकाओं को चुनौती देता है।

कौन सी है यह फिल्म

जिस फिल्म की बात की जा रही है वह है 2020 में रिलीज हुई बुलबुल । जिसे अनुष्का शर्मा और उनके भाई ने प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी ने लीड रोल निभाया था, उनके इस हॉरर मिस्ट्री में अनिवाश तिवारी, पाओली दाम, राहुल बोस जैसे कलाकारों ने किया था।
1880 के दशक की बंगाल प्रेसीडेंसी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म एक बाल दुल्हन और उसकी मासूमियत से ताकतवर बनने तक के सफर के इर्द-गिर्द घूमती है। बुलबुल 24 जून 2020 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई, जहां आप इसे देख सकते हैं।

खेल समाचार

मेंस व्हीलचेयर का टाइटल जीतकर ओडा ने रच दिया इतिहास

मेलबर्न,31 जनवरी 2026। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में जापानी खिलाड़ी टोकिटो ओडा ने मार्टिन डे ला पुएंते को 3-6, 6-2, 6-2 से मात देकर मेंस व्हीलचेयर का खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ 19 वर्षीय टोकिटो ओडा किसी भी प्रोफेशनल टेनिस फॉर्मेट में एक साथ चारों ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले सबसे युवा पुरुष बन गए हैं। शनिवार को मेलबर्न पार्क में तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पर ओडा की जीत ने उन्हें लगातार

चार पुरुष व्हीलचेयर सिंगल्स मेजर जीतने वाला दूसरा खिलाड़ी बना दिया है। इस मामले में उन्होंने जापानी दिग्गज शिंगो कुनीडा की बराबरी कर ली है, जिन्होंने साल 2007 से लगातार 12 खिताब जीते थे।
यह इन दोनों की 18वीं मुलाकात थी। ग्रैंड स्लैम में दोनों खिलाड़ी छठी बार आमने-सामने थे। दोनों के बीच यह पहला फाइनल मैच था। यह ओडा का दूसरा ऑस्ट्रेलियन खिताब और कुल मिलाकर आठवां मेजर खिताब है। अब वह ब्रिटेन के अल्फी हेवेट से सिर्फ दो खिताब पीछे रह गए हैं। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुके ओडा अब शिंगो कुनीडा के मेंस व्हीलचेयर सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताबों के रिकॉर्ड (28) के करीब पहुंचने की राह पर हैं।
चैंपियनशिप मैच की शुरुआत में डे ला पुएंते ने पहले सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। हालांकि ओडा ने थोड़ी देर के लिए बराबरी कर ली, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने शानदार वापसी की, जिससे ओडा टूर्नामेंट का अपना पहला सेट हार गए। दूसरे सेट में अपने खेल का स्तर ऊंचा करते हुए ओडा तेजी से गेंदों तक पहुंचे और उन्हें कोर्ट के कोनों में गहराई तक लौटाया, जिससे डे ला पुएंते को अपनी जगह से हटने पर मजबूर होना पड़ा। बारिश की वजह से लंबे ब्रेक के बाद, ओडा ने फिर से कंट्रोल हासिल किया और डे ला पुएंते के 31 विनर्स के मुकाबले 52 विनर्स के साथ टाइटल जीत लिया। उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 74 प्रतिशत भी जीता, जो उनके विरोधी के 51 प्रतिशत से काफी ज्यादा था। डे ला पुएंते पुरुषों के व्हीलचेयर सिंगल्स ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने वाले 13वें खिलाड़ी बनने का लक्ष्य बना रहे थे, इससे पहले वह 2024 में विंबलडन फाइनल में हेविट से हार गए थे। हालांकि वह निराश थे, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने मुस्कुराते हुए इस नतीजे को खुशी-खुशी स्वीकार किया।

तिलक वर्मा पूरी तरह फिट

3 फरवरी को भारतीय टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली,31 जनवरी 2026। भारत के शानदार बल्लेबाज तिलक वर्मा ग्रोइन इंजरी से पूरी तरह ठीक होने के बाद बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से क्लियर होने वाले हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शनिवार को बताया कि तिलक को सीओई से छुट्टी मिल जाएगी और वह 3 फरवरी को मुंबई में भारतीय टीम से जुड़ेंगे, जिससे 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका के अलग-अलग स्टेडियम में शुरू होने वाले टी 20 वर्ल्ड कप से कुछ दिन पहले टीम को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। सूत्र ने कहा, उन्होंने पूरी मैच फिटनेस हासिल कर ली है। 7 जनवरी को ग्रोइन इंजरी की सर्जरी के बाद वर्मा सीओई में ट्रेनिंग कर रहे थे। उन्हें फाइनल फिटनेस क्लीयरेंस के लिए शुक्रवार को एक सिमुलेशन मैच में हिस्सा लेना था। इस खबर का मतलब है कि 23 साल के बल्लेबाज के आने वाले टी 20 वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध होने की उम्मीद है। क्लीयरेंस मिलने के बाद, वर्मा के टी 20 टूर्नामेंट से पहले वार्म-अप मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल होने की उम्मीद है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए थे, जहां श्रेयस अय्यर को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया था। डिफेंडिंग चैंपियन भारत टी 20 वर्ल्ड कप के पहले दिन यूएसए के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

कजाकिस्तान की रायबकिना ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया ओपन जीता

सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया

3 साल पहले फाइनल हारी थीं

कजाकिस्तान,31 जनवरी 2026। कजाकिस्तान की टेनिस स्टार एलिना रायबकिना ने ऑस्ट्रेलिया ओपन जीत लिया है। उन्होंने शनिवार को फाइनल मैच में टॉप सीड बेलारूसी स्टार आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। वे यह खिताब जीतने वाली कजाकिस्तान की पहली महिला खिलो ी बनी हैं।
26 साल की रायबकिना ने पहली बार इस ग्रैंड स्लैम का खिताब जीता है। 3 साल पहले वे फाइनल में पहुंची थीं,

लेकिन तब उन्हें सबालेंका के हाथ पराजय का सामना करना पे ा था। आज रायबकिना ने उस हार का बदला ले लिया। रायबकिना ने पहले सेमीफाइनल मैच में अमेरिका की जेशिगा पेगुला को 6-3, 7-6 से हराकर बाहर किया था।

दो घंटे तक चला फाइनल मुकाबला

दो घंटे 16 मिनट तक चले इस मुकाबले में कजाकिस्तानी स्टार ने पहला सेट जीतकर मैच में 1-0 की बे त बना ली। लेकिन दूसरे सेट में सबालेंका ने जोरदार वापसी की। उसके बाद रायबकिना ने तीसरा सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

जोकोविच और अल्काराज में मेंस सिंगल्स का फाइनल आज

टूर्नामेंट के मेंस सिंगल्स का फाइनल मैच 24 ग्रैंड स्लैम टाइटल जीत चुके नोवाक जोकोविच और वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज के बीच एक फरवरी को खेला जाएगा। यह मैच रॉड लेवर एरिना में दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। जोकोविच ने 11वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। जबकि, स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं।

तेजस्विन शंकर की शानदार जीत

कैनसस में हाई जंप खिताब अपने नाम किया

कान्सास,31 जनवरी 2026। भारत के तेजस्विन शंकर ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए ओलंपिक और वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट शेल्बी मैकएवेन को हराकर शनिवार को मैनहट्टन, कंसास में हुई डी लॉस डॉड्स इनविटेशनल 2026 एथलेटिक्स मीट में पुरुषों का हाई जंप खिताब जीत लिया। 27 साल के भारतीय एथलीट ने 2.26 मीटर का बेस्ट मार्क हासिल करके टॉप स्थान पक्का किया। दूसरे स्थान पर शेल्बी थे, जिनका सीजन का बेस्ट जंप 2.22 मीटर था, जबकि साथी अमेरिकी डेविन लाउडरमिल्क भी 2.22 मीटर के उसी जंप के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह तेजस्विन का तीन साल में सबसे अच्छा जंप भी है, उन्होंने 2023 में बोस्टन में इंडोर ग्रां प्री के दौरान 2.26 मीटर का जंप किया था। तेजस्विन कॉमनवेल्थ गेम्स के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं, और उन्होंने 2.05 मीटर के जंप से शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे प्रयास में 2.10 मीटर का जंप किया। उन्होंने जीतने वाले जंप से पहले 2.14 मीटर, 2.18 मीटर और 2.22 मीटर के जंप भी किए। तेजस्विन के नाम हाई जंप में 2.29 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड भी है, जो उन्होंने 2018 में बनाया था। उन्होंने खुद को बेहतर करने और एक नया रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की, लेकिन 2.30 मीटर के सभी प्रयासों में असफल रहे।
यह प्रतियोगिता एक वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर टूर ब्रॉन्ज-लेवल मीट है और 16 जनवरी को मैनहट्टन में हुई थाने बेकर इनविटेशनल के बाद यह तेजस्विन की सीजन की दूसरी प्रतियोगिता थी। जनवरी की शुरुआत में मैनहट्टन मीट में, उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ और शॉट पुट इवेंट में हिस्सा लिया था। तेजस्विन के नाम डेकाथलॉन में भी नेशनल रिकॉर्ड है।

फरीदा वालिद की खिताबी जीत

अहमदाबाद ,31 जनवरी 2026। मिस्र के स्क्वैश खिलाड़ी फरीदा वालिद और सैफ रिफाई ने शनिवार को गुजरात में एचसीएल स्क्वैश इंडिया टूर अहमदाबाद 2026 में क्रमशः महिला और पुरुष सिंगल्स चैंपियनशिप जीत ली। महिलाओं के फाइनल में, रैंकिंग में 107वें स्थान पर मौजूद वालिद ने स्थानीय पसंदीदा तन्वी खन्ना को 65 मिनट तक चले रोमांचक फाइनल में 3-2 (9-11, 13-15, 11-8, 12-10, 11-5) से हराकर खिताब अपने नाम किया। स्क्वैश रैंकिंग में 81वें स्थान पर मौजूद तन्वी ने 2-0 की बढ़त बनाकर घर पर आसान जीत की उम्मीद की थी। हालांकि, मिस्र की खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी को हरा दिया। भारत की अनाहत सिंह ने में चल रहे स्क्वैश ऑन फायर ओपन में खेलने के लिए इस इवेंट में हिस्सा नहीं लिया। वह पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। पिछले साल अगस्त में, एशियाई खेलों की पदक विजेता तन्वी स्क्वैश इंडिया टूर जयपुर 2025 के महिला सिंगल्स इवेंट के फाइनल में हार गई थीं, और सवाई मानसिंह स्टेडियम में एक कड़े मुकाबले में उपविजेता रहीं। जयपुर में, उनका मुकाबला टॉप सीड मिस्र की नूर खफागी से था, और शानदार कोशिश के बावजूद तन्वी 3-1 (11-3, 5-11, 11-5, 12-10) से हार गईं। इस बीच, पुरुषों के फाइनल में, सैफ रिफाई ने 42 मिनट में हेज़म होसाम को 3-0 (11-4, 11-7, 11-4) से हराकर ऑल-मिस्र चैंपियनशिप मैच जीत लिया। भारत के सूरज कुमार चंद सेमीफाइनल में रिफाई से हार गए थे। होसाम ने क्वार्टर फाइनल में टॉप सीड और हमवतन मोहम्मद गोहर को हराया था। अहमदाबाद लेग एचसीएल स्क्वैश टूर 2025-26 सीज़न का पांचवां पड़ाव था। पिछले साल जयपुर, मुंबई,चेन्नई और बेंगलुरु में शुरुआती पांच लेग हुए थे। यह सीरीज़ दिल्ली लेग के साथ खत्म होगी, जो 3 से 7 फरवरी तक होने वाला है।

छत्तीसगढ़ को कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना लक्ष्य : शिवराज सिंह

रायपुर,31 जनवरी 2025। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ को कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास योजनाओं और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना भी की। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के लिए एक विशेष वैज्ञानिक टीम गठित करने का ऐलान किया है। यह टीम छत्तीसगढ़ की एग्रो-क्लाइमेट कंडीशन के मुताबिक फसलों की बेहतर किस्म, कीट नियंत्रण, रिसर्च और इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल पर काम करेगी।

एक दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे शिवराज सिंह चौहान ने रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत सरकार की यह टीम इसी हफ्ते गठित कर दी जाएगी, जिसमें वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक,कृषि विभाग के अधिकारी और टेक्निकल एक्सपर्ट शामिल होंगे। टीम राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर किसानों की समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान तलाशेगी और यह तय करेगी कि छत्तीसगढ़ में कौन-सी फसल और कौन-सी वैरायटी सबसे बेहतर उत्पादन दे सकती है। किसानों ने बताया कि जहां परंपरागत फसलों से 35-40 हजार रुपये प्रति एकड़ की बचत होती है, वहीं फल-सब्जियों की खेती से एक लाख रुपये प्रति एकड़ तक की आमदनी संभव हो रही है।

किसानों से मिले,खेती देखी,ग्रामीण विकास की समीक्षा...

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अपने प्रवास के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के किसान भाईयों से मुलाकात की, खेती का काम देखा और किसान मेले के माध्यम से भी किसानों से सीधे संवाद किया। साथ ही कृषि और ग्रामीण विकास की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा, 'मुझे गर्व और प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अच्छा काम हो रहा है।'

छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है,अब फल-सब्जी में भी आगे...

केंद्रीय मंत्री ने खपरी क्षेत्र के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सिर्फ धान का कटोरा नहीं रहा, बल्कि अब फल और सब्जियों के उत्पादन में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि यहां नर्सरी में ग्राफ्टिंग के जरिए पौधे तैयार किए जा रहे हैं। भटा (बैंगन) पर टमाटर की खेती,तीखी मिर्च पर शिमला मिर्च,ड्रैगन फ्रूट,ब्लूबेरी और केले की खेती के प्रयोग देखने को मिले।

इंटीग्रेटेड फार्मिंग से बढ़ेगी किसानों की आय

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि छत्तीसगढ़ में इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल पर भी काम किया जाएगा। इसके तहत कम जमीन में फसलों के साथ-साथ सब्जी उत्पादन, पशुपालन, मछली पालन और कृषि वानिकी को जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने पर जोर रहेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना पर बड़ा दावा : केंद्रीय मंत्री ने पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भूपेश बघेल सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता के तहत पिछले डेढ़ साल में छत्तीसगढ़ को 18 लाख 12 हजार 742 प्रधानमंत्री आवास दिए गए हैं। इसमें 2011 की प्रतीक्षा सूची, 2018 की आवास प्लस सूची, 2016 से 2023 के शेष आवास और मुख्यमंत्री निवास योजना के नाम से दिए गए मकान भी शामिल हैं। इसके अलावा नक्सल पीड़ित इलाकों के लिए 15 हजार अतिरिक्त आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा, 'छत्तीसगढ़ में किसी भी गरीब को बिना पक्की छत के नहीं रहने दिया जाएगा।' शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नक्सल प्रभावित इलाकों में जहां पहले सर्वे तक नहीं हो पाता था, वहां भी अब सर्वे किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त किया जाएगा।

हाईटेक मंडी,ड्राई पोर्ट और रिसर्च की मांग

किसानों ने हाईटेक मंडी और ड्राई पोर्ट की जरूरत भी सामने रखी,जिस पर सरकार ने विचार कर निर्णय लेने की बात कही। इसके साथ ही यह मुद्दा भी सामने आया कि कब और कितना पेस्टीसाइड डालना है, बीमारी का कारण क्या है और बीमारी आने से पहले ही उसे कैसे कंट्रोल किया जाए। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि उनके साथ कृषि विभाग की पूरी टीम आई है,जिसमें अधिकारी और वैज्ञानिक शामिल हैं। सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई और कृषि विभाग की समीक्षा में हर डिविजन में काम अच्छा पाया गया।

धान की बेहतर वैरायटी और दलहन पर फोकस

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह बात सामने आई है कि मोटे धान में किसानों को उतना लाभ नहीं मिल रहा है। इसलिए ICR ने तय किया है कि छत्तीसगढ़ की जलवायु के अनुसार बेहतर उत्पादन देने वाली धान की वैरायटी को यहां प्रचलित किया जाएगा। इस पर नेशनल सीड्स कॉरपोरेशन और ICR मिलकर काम करेंगी। धान कटाई के बाद खाली रहने वाले खेतों में दलहन को बढ़ावा देने का भी फैसला लिया गया है। सरकार ने तय किया है कि मसूर, अरहर और उड़द जितनी भी उपज होगी।

निगम ने अवैध कॉलोनियों-बिना अनुमति निर्माण पर रोक लगाई

रायपुर के हीरापुर-जरवाय और सोनडोंगरी में जमीन की खरीद-बिक्री पर प्रतिबंधित

रायपुर,31 जनवरी 2025। राजधानी रायपुर में अवैध कॉलोनियों और बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण को रोकने के लिए नगर पालिक निगम ने सख्त कदम उठाए हैं। निगम ने हीरापुर-जरवाय और सोनडोंगरी क्षेत्र में स्थित कई जमीनों को अवैध कॉलोनी घोषित किया है। निगम अधिकारियों के अनुसार,इन जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा है। अधिग्रहण प्रक्रिया के दौरान इन क्षेत्रों में कोई भी गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। इसका मतलब है कि वहां न तो निर्माण किया जा सकता है,न जमीन की खरीद-बिक्री की जा सकती है और न ही नया कब्जा किया जा सकता है। नगर निगम की सूचना के मुताबिक,हीरापुर-जरवाय क्षेत्र में कई खसरा नंबरों की जमीनें अवैध पाई गई हैं। सोनडोंगरी क्षेत्र में भी कई भूखंड अवैध कॉलोनी की श्रेणी में रखे गए हैं।

नगर निगम ने चेतावनी दी है कि अधिग्रहण के दौरान यदि कोई व्यक्ति निर्माण करता है, जमीन पर कब्जा करता है या उसकी खरीद-बिक्री करता है,तो उससे होने वाले सभी आर्थिक और कानूनी नुकसान के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा। ऐसे मामलों में नगर निगम की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि यह कदम शहर में बढ़ते अवैध निर्माण,बिना अनुमति कॉलोनियों के विकास और आम लोगों को गुमराह कर जमीन बेचने जैसी गतिविधियों को रोकने के लिए उठाया गया है।

फरवरी में मिल सकती है लखमा को जमानत : बैज

जेल में कवासी से मिलने पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष,शराब घोटाले में जेल में बंद हैं पूर्व मंत्री

रायपुर,31 जनवरी 2025। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज शनिवार को छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में रायपुर सेंट्रल जेल में बंद वरिष्ठ कांग्रेस नेता कवासी लखमा से मिलने पहुंचे। जेल में बैज ने लखमा का हाल-चाल जाना और उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली। मुलाकात के बाद बैज ने कहा कि कवासी लखमा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि फरवरी में कोर्ट उन्हें ज़मानत दे देगा। बाहर आने के बाद लखमा बस्तर और पूरे प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करेंगे। बैज ने यह भी कहा कि आदिवासी नेता को टारगेट करके जेल भेजा गया और यह

कार्रवाई बदले की भावना से की गई। इसके खिलाफ पूरे प्रदेश में आवाज़ उठाई जाएगी। जेल में कवासी लखमा का स्वास्थ्य पहले ठीक नहीं था,लेकिन अब उनकी सेहत बेहतर है। बैज ने बताया कि 23 फरवरी से बजट सत्र शुरू हो रहा है। पिछले एक साल से लखमा विधानसभा नहीं जा पाए हैं। वे सत्र में जाकर क्षेत्र के मुद्दों और सवालों को उठाना चाहते हैं। इसीलिए न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें बजट सत्र में जाने का मौका दिया जाना चाहिए।

कुछ समय पहले हुआ था लखमा के आंखों का ऑपरेशन : कुछ महीने पहले ही कवासी लखमा के आंखों का ऑपरेशन हुआ था। कवासी लखमा बस्तर अंचल के सबसे मजबूत और प्रभावशाली आदिवासी नेताओं में गिने जाते हैं। वे सुकमा जिले की कोंटा विधानसभा सीट से छह बार विधायक रह चुके हैं। साल 2013 के दरभा घाटी नक्सली हमले में वे उन नेताओं में शामिल थे, जो चमत्कारिक रूप से जीवित बचे। 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद उन्हें आबकारी मंत्री बनाया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)